PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'रिश्तों की सच्ची पहचान अच्छे समय में साथ चलने से नहीं, बल्कि कठिन समय में बिना स्वार्थ साथ निभाने से होती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-168 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 12 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

स्वार्थ के दौर में रिश्तों की असली पहचान

जीवन एक बहती हुई नदी के समान है। इस नदी में समय के साथ किनारे बदलते रहते हैं, परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं और इंसानों के चेहरे भी बदलते रहते हैं। कभी लहरें शांत होकर सुकून देती हैं, तो कभी उग्र होकर जीवन को झकझोर देती हैं। यही जीवन का सत्य है कि यहाँ कुछ भी स्थायी नहीं है–न समय, न परिस्थितियाँ और न ही कई बार रिश्ते। इंसान अक्सर यह सोचता है कि वह समय को काट रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि समय ही धीरे-धीरे इंसान को काटता, बदलता और परखता जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

जब जीवन में कोई अपना साथ होता है, तो घंटों का समय कुछ पलों जैसा महसूस होता है। किसी प्रिय व्यक्ति के साथ बिताया गया वक्त मानो जीवन की सबसे सुंदर स्मृति बन जाता है। वहीं दूसरी ओर, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो परिस्थितियाँ बदलते ही अपना व्यवहार बदल लेते हैं। समय बदलते ही वे गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं और उन रिश्तों को भूल जाते हैं, जिनकी कसमें कभी खाई जाती थीं। यह दुनिया का पुराना दस्तूर है, लेकिन इस सच्चाई को स्वीकार करना ही मानसिक शांति की पहली सीढ़ी है। आज के आधुनिक दौर में रिश्तों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले रिश्ते भावनाओं, त्याग और अपनत्व पर टिके होते थे, लेकिन अब अनेक रिश्ते स्वार्थ की बुनियाद पर खड़े दिखाई देते हैं। जब तक किसी व्यक्ति से लाभ मिलता है, तब तक लोग उसके साथ खड़े रहते हैं, लेकिन जैसे ही स्वार्थ समाप्त होता है, संबंधों की गर्माहट भी ठंडी पड़ने लगती है। यही कारण है कि आज इंसान भीड़ में रहकर भी अकेलापन महसूस कर रहा है। 'साथ रहने के लिए स्वार्थ छोड़ना ही बड़प्पन है, परंतु अपने स्वार्थ की खातिर किसी का साथ छोड़ देना इंसानियत की सबसे बड़ी हार है।'

वास्तव में, जब कोई रिश्ता केवल मतलब के आधार पर बनाया जाता है, तो वह रिश्ता नहीं बल्कि एक सौदा बन जाता है। ऐसे संबंधों में अपनापन नहीं होता, केवल अवसरवाद होता है। सच्चा रिश्ता वही है, जहाँ व्यक्ति दूसरे की खुशी में अपनी खुशी खोजे, ना कि उसकी मजबूरी में अपना लाभ तलाशे। आज सोशल मीडिया और दिखावे के इस युग में रिश्तों की वास्तविकता और भी कमजोर होती जा रही है। लोग हजारों ऑनलाइन मित्र बना लेते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में एक सच्चा साथी नहीं ढूंढ पाते। लोग दूसरों की नजरों में अच्छा दिखने के लिए अपनी ऊर्जा खर्च कर देते हैं, लेकिन अपने ही परिवार और करीबी लोगों को समय नहीं दे पाते। विडंबना यह है कि जिन अनजान लोगों को खुश करने की हम कोशिश करते रहते हैं, वे कभी वास्तव में हमारे अपने नहीं बनते, जबकि जो हमारे सच्चे अपने होते हैं, उनकी भावनाएँ अक्सर अनकही और अधूरी रह जाती हैं। आज का समाज अपेक्षाओं के बोझ तले दबता जा रहा है। लोग रिश्तों में प्रेम कम और हिसाब ज्यादा रखने लगे हैं। 'मैंने उसके लिए क्या किया' और 'उसने मेरे लिए क्या किया'–इसी गणित में संबंधों की आत्मा खोती जा रही है। जबकि रिश्ते गणित नहीं, बल्कि संवेदना का विषय होते हैं। जहाँ त्याग नहीं, वहाँ स्थायी प्रेम भी नहीं हो सकता।

भारतीय संस्कृति ने हमेशा निस्वार्थ संबंधों को महत्व दिया है। माता-पिता का प्रेम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वे बिना किसी अपेक्षा के अपना पूरा जीवन अपने बच्चों के भविष्य के लिए समर्पित कर देते हैं। सच्ची मित्रता भी वही है, जो कठिन समय में साथ खड़ी रहे। लेकिन आज स्वार्थ इतना बढ़ गया है कि लोग अपनों का उपयोग भी अपने हितों के लिए करने लगे हैं। यही कारण है कि रिश्तों में विश्वास की कमी बढ़ती जा रही है। हमें यह समझना होगा कि जीवन बहुत छोटा है और समय बहुत तेज़ी से गुजरता है। धन, पद और प्रसिद्धि एक दिन समाप्त हो सकते हैं, लेकिन लोगों के दिलों में छोड़ी गई अच्छी यादें हमेशा जीवित रहती हैं। यही यादें इंसान की वास्तविक पूंजी होती हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने रिश्तों को समय दें, अपनों की भावनाओं को समझें और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे हमारे जीवन में महत्वपूर्ण हैं। आज मानसिक तनाव, अवसाद और अकेलेपन की सबसे बड़ी वजह भी यही है कि इंसान ने अपने वास्तविक संबंधों को खो दिया है। लोग दुनिया को खुश करने में लगे हैं, लेकिन अपनी आत्मा को संतुष्ट करना भूल गए हैं। जबकि सच्ची शांति बाहर नहीं, बल्कि अपने लोगों के बीच और अपने अंतर्मन में मिलती है।

अंततः जीवन हमें यही सिखाता है कि समय बदलता रहेगा, लोग भी बदलेंगे, लेकिन निस्वार्थ प्रेम और सच्चे रिश्ते कभी पुराने नहीं होते। इसलिए अपनी ऊर्जा और प्रेम उन लोगों पर निवेश करें, जो आपकी खामोशी को भी समझ सकें, ना कि उन पर जिन्हें आपकी मौजूदगी का एहसास तक नहीं। 'रिश्तों की असली खूबसूरती साथ रहने में नहीं, बल्कि बिना स्वार्थ साथ निभाने में होती है।' वक्त गुजर जाएगा, परंतु आपके व्यवहार और प्रेम की खुशबू लोगों के दिलों में हमेशा बनी रहेगी।

मूल निवास बनाने के नियमों में बदलाव: किराएदार भी बनवा सकेंगे सर्टिफिकेट

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में मूल निवास बनाने के लिए सरकार ने नए सिरे से प्रावधान लागू किए हैं। मूल निवास प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कलेक्टर, एसडीएम (उपखंड अधिकारी), सहायक कलेक्टर और तहसीलदार को अधिकृत किया है। गृह विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। अब 10 साल या इससे ज्यादा समय से किराए के मकान में रहने वालों के भी मूल निवास प्रमाण-पत्र बन सकेंगे। इसके अलावा, जिनके माता-पिता राजस्थान सरकार में 3 साल से नौकरी में हैं, वे खुद और उनके बच्चे भी मूल निवास प्रमाण पत्र बनवाने के पात्र होंगे। मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने से पहले अब आवेदक से शपथ पत्र (एफिडेविट) लेने के साथ-साथ 2 जिम्मेदार लोगों से भी अनुशंसा (सिफारिश) का प्रमाण-पत्र लिया जाएगा। सांसद, विधायक, गजेटेड ऑफिसर, जिला प्रमुख, प्रधान, जिला परिषद सदस्य, सरपंच, ग्राम सचिव, पटवारी, मेयर, नगरपालिका अध्यक्ष, सभापति, पार्षद, सरकारी कर्मचारी या पुलिस बीट प्रभारी में से किन्हीं 2 के प्रमाण-पत्र आवेदन के साथ

लगाने होंगे। गृह विभाग ने अफसरों को 2 जिम्मेदार लोगों के प्रमाण-पत्र साथ लगाने के निर्देश दिए हैं। 10 साल से राजस्थान में रहने पर मिलेगा मूल निवास गृह विभाग के अनुसार, मूल निवासी वह माना जाएगा, जिसके माता-पिता राजस्थान के मूल निवासी हों या उसके माता-पिता राजस्थान में 10 साल या उससे ज्यादा समय से रह रहे हों। मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिए एसडीएम (SDM) या तहसीलदार के ऑफिस में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ दस्तावेज लगाने होंगे। यदि माता-पिता राजस्थान के मूल निवासी हैं, तो आवेदन के साथ अपना बर्थ सर्टिफिकेट (जन्म प्रमाण-पत्र) और माता-पिता का मूल निवास प्रमाण-पत्र लगाना अनिवार्य होगा।

राजस्थान में शादी होने पर मैरिज सर्टिफिकेट लगाना होगा

दूसरे राज्यों की महिलाएं, जो राजस्थान की मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन राजस्थान के मूल निवासी से शादी करने के बाद पति के साथ यहां रहती हैं, उन्हें राजस्थान की मूल निवासी माना जाएगा। बाहरी राज्यों की महिलाओं को शादी के बाद राजस्थान का मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिए मैरिज सर्टिफिकेट के साथ पति का मूल निवास प्रमाण-पत्र, वोटर आईडी, आधार कार्ड सहित कोई भी पहचान कार्ड साथ लगाना होगा। राजस्थान का मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिए बाहरी राज्यों की महिलाओं को पीहर का मूल निवास प्रमाण-पत्र सरेंडर करना होगा, आवेदन के साथ सरेंडर का शपथ-पत्र देना होगा।

सरकारी नौकरी तो 3 साल बाद बन सकेगा मूल निवास

राजस्थान सरकार या सरकारी उपक्रमों में अगर कोई तीन साल से नौकरी कर रह रहा है तो खुद और उसके बच्चे मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने के पात्र होंगे। आवेदन के साथ सरकारी नौकरी का डॉक्यूमेंट लगाना होगा।

10 साल या ज्यादा समय से मकान तो भी मूल निवासी

10 साल या इससे ज्यादा समय से राजस्थान में खुद का मकान हो तो मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने के पात्र होंगे। आवेदक का या उसके माता-पिता का राजस्थान में 10 साल या इससे ज्यादा अवधि में मकान हो तो आवेदक और उसके माता-पिता का वोटर आईडी,आधार कार्ड,पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या कोई अन्य फोटो पहचान पत्र साथ लगाना होगा।

ग्राम विकास रथ यात्रा में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का किया आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही 'ग्राम विकास रथ यात्रा' सोमवार को क्षेत्र के विभिन्न गाँवों में पहुँची। रथ यात्रा का पुजारियों की ढाणी, परसरामपुरा, चारण की ढाणी और गिरधरपुरा पहुँचने पर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया।

पुजारियों की ढाणी में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए विधानसभा रथ यात्रा प्रभारी सुभाष शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के उत्थान और आमजन की खुशहाली के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जागरूक बनें और इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी ओमप्रकाश आलडिया, पंचायत प्रशासक शुभिता दूत और पूर्व पंचायत समिति सदस्य रामकरण चौधरी ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया। सहायक कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने विशेष रूप से किसानों के लिए चलाई जा रही नवीन योजनाओं

और कृषि अनुदानों के बारे में तकनीकी जानकारी साझा की।कार्यक्रम के दौरान मनोहर सिंह, छोटी देवी, ग्राम विकास अधिकारी हर्षिता मूल, अनिता, कुरड़ाराम दूत, कैप्टन गंगाधर, करणी राम, बनवारी लाल कुमावत, सीताराम यादव, रामप्रताप शर्मा, शिवकुमार गाड़ोदिया, विद्याधर साखनिंया, रामकृष्ण, श्याम सुंदर स्वामी, नरसिंह दास जी महाराज, बाबूलाल शर्मा, मोहनलाल चाहर, गुर्जर गौरव, विद्याधर रणवा, जगदीश खरबास, शीव कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहें।

एसडीएम नांगल चौधरी ने आंतरी व जैनपुर की पहाड़ियों का किया औचक निरीक्षण

अवैध खनन पर सख्त कार्यवाही के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नांगल चौधरी।

अवैध खनन के खिलाफ राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह ने आज खनन विभाग और हरियाणा राज्य परिवर्तन ब्यूरो नारनौल के अधिकारियों के साथ गांव आंतरी व जैनपुर की पहाड़ियों का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने खनन विभाग और प्रवर्तन ब्यूरो को निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र में नियमित मॉनिटरिंग जारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में कहीं भी अवैध खनन की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोरतम कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मौके पर कोई भी अवैध वाहन या मशीनरी नहीं पाई गई।

इस मौके पर अधिकारियों ने बताया कि गांव जैनपुर में फिलहाल कोई ताजा अवैध खनन नहीं हो रहा है। खनन निरीक्षक कोमल कुमार ने बताया कि अप्रैल 2026 में गांव जैनपुर की पहाड़ियों में अवैध खनन के संबंध में एक एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद से वहां कोई अवैध खनन नहीं हो रहा है। भविष्य में भी औचक निरीक्षण का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा।

नाबालिग से बर्बरता पर आक्रोश: विप्र फाउंडेशन और ब्रह्म चैतन्य संस्थान चिड़ावा ने सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

हनुमानगढ़ के भादरा में नाबालिग छात्र रजत शर्मा के साथ हुई जानलेवा मारपीट के विरोध में कस्बे के सामाजिक संगठनों ने एकजुट होकर न्याय की आवाज़ उठाई है। सोमवार को विप्र फाउंडेशन और ब्रह्म चैतन्य संस्थान के बैनर तले मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी (SDM) चिड़ावा को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में अवगत कराया गया कि 8 मई 2026 को बस संख्या RJ 10 PA 7251 के परिचालक और उसके साथियों ने मात्र एक रुपये के विवाद में नाबालिग रजत के साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए उसे अधमरा कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे प्रदेश में रोष व्याप्त है। प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन ने दोषियों के विरुद्ध बेहद

कमजोर धाराएं लगाई हैं, जिससे अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। संगठनों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर अपराधियों पर कठोर धाराएं लगाई जाएं, रजत शर्मा को निःशुल्क एवं बेहतर इलाज मुहैया करवाया जाए और पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस दौरान पृथ्वीराज शर्मा अध्यक्ष विप्र फाउंडेशन तहसील चिड़ावा, डॉ. लक्ष्मीकान्त शर्मा, रामगोपाल मिश्र अध्यक्ष ब्रह्म चैतन्य संस्थान चिड़ावा, राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया जिला प्रभारी लोक सेवा ज्ञान मंदिर झुन्झुनूं, देवेन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष खाण्डल विप्र, रवि शर्मा पचेरीवाला ,सुशील शर्मा, अशोक शर्मा अध्यक्ष भाजयुमो नगर मंडल चिड़ावा, सुशील पाराशर, प्रदीप कोशिक, पवन शर्मा, नवनीत शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, प्रमोद शर्मा ओजटूवाला, मूलचंद नाहड़िया, विकास शर्मा, अनिल शर्मा, रजनीकान्त मिश्र, कमलेश मिश्रा, शुभम जोगाई, मुकेश शर्मा (हलवाई) बाबू पुजारी , अविनाश शर्मा, धीरज- भास्कर पाण्डे , कान्हू सहित विप्र फाउंडेशन और ब्रह्म चैतन्य संस्थान के पदाधिकारियों सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही न्यायसंगत कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

लक्षमनगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर श्रीमती अनुराधा शर्मा को मिली नियुक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह ने श्रीमती अनुराधा शर्मा धर्मपत्नी अनुपम शर्मा को लक्ष्मणगढ़ महिला कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कुम्हार समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 14 जून को

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

कुम्हार समाज की ओर से 14 जून को महावीर जांगिड़ भवन में आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर रविवार को कुमावत भवन में मीटिंग आयोजित की गई।आयोजित मीटिंग की अध्यक्षता प्रधानाचार्य ताराचंद कुमावत ने की। कार्यक्रम संयोजक मुकेश कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि मीटिंग में प्रतिभा सम्मान समारोह की रूपरेखा एवं

व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के विभिन्न सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।बैठक में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने समारोह को भव्य एवं प्रेरणादायक बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। इस अवसर समाज के संरक्षक अर्जुन लाल वर्मा, लक्ष्मीनारायण नीरानिया, लालचंद वर्मा, व्यवसायी सांवरमल नीरानिया, फूलचंद होदकासिया, कैलाशचंद नीरानिया, रामपाल कुमावत, नथुराम कुमावत, बनवारीलाल कुमावत, एसिस्टेंट प्रोफेसर कुलदीप कारगवाल, शिक्षक यदुनंदन वर्मा, प्रेमचंद कुमावत, ठेकेदार ताराचंद कुमावत, अशोक तुनवाल, अजय कुमावत, छोटूलाल कुमावत, पुरषोत्तम कुमावत, निजी स्कूल संचालक महेंद्र घासोलिया, युवा कार्यकर्त्ता जयकिशन कुमावत, पंकज कुमावत, हेमंत आशीवाल, अशोक आशीवाल, शशिप्रकाश नीरानिया, कार्यक्रम के सहसंयोजक कमल होदकासिया व एकाउंटेंट पवन कारगवाल सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

क्या बनाना चाहती हैं बच्चे के लिए हेल्दी डाइट प्लान

आयुर्वेद प्राकृतिक समाधान प्रदान करता है, तो क्यों न अपने बच्चे के लिए एक स्वस्थ आहार तैयार करने के लिए इसकी मदद ली जाए यहां वह सब है जो आप जानना चाहती हैं।आप में से अधिकांश लोग मानते हैं कि आयुर्वेद केवल वयस्कों के लिए है न कि बच्चों के लिए। लेकिन यह एक गलत धारणा है। चाहे वह पोषण हो, प्रतिरक्षा निर्माण हो या मालिश, यह प्राचीन चिकित्सा प्रणाली बच्चों से लेकर किशोरों और युवाओं तक के विकास में मदद कर सकती है।आयुर्वेद में आयु का वर्गीकरण बहुत व्यावहारिक रूप से किया गया है।

आयुर्वेद प्राकृतिक समाधान प्रदान करता है, तो क्यों न अपने बच्चे के लिए एक स्वस्थ आहार तैयार करने के लिए इसकी मदद ली जाए? यहां वह सब है जो आप जानना चाहती हैं।आप में से अधिकांश लोग मानते हैं कि आयुर्वेद केवल वयस्कों के लिए है न कि बच्चों के लिए। लेकिन यह एक गलत धारणा है। चाहे वह पोषण हो, प्रतिरक्षा निर्माण हो या मालिश, यह प्राचीन चिकित्सा प्रणाली बच्चों से लेकर किशोरों और युवाओं तक के विकास में मदद कर सकती है।आयुर्वेद में आयु का वर्गीकरण बहुत व्यावहारिक रूप से किया गया है। यह वर्तमान समय के अनुसार सटीक माना जाता है- 1-16 वर्ष की आयु को बाल्यवस्था (बचपन) कहा जाता है। 16-60 वर्ष के बीच की आयु को मध्यमावती (मध्य-आयु) कहा जाता है। 60 वर्ष से ऊपर की आयु को वार्धक्य (वृद्धावस्था) कहा जाता है। शरीर के दोषों के अनुसार यह वर्गीकरण किया जाता है। जैसे बाल आयु के दौरान, प्रमुख दोष कफ दोष है। इसके कारण, कुछ विशिष्ट विशेषताएं हैं, जो बचपन को परिभाषित करती है। एक नवजात बच्चे को एक दिन में 18 से 20 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। इसी तरह, बचपन के दौरान, आमतौर पर मीठे खाद्य पदार्थों की ओर झुकाव होता है। जबकि कुछ चुनिंदा लोग खट्टा और नमकीन स्वाद पसंद करते हैं। आपने बहुत कम ही ऐसे बच्चे देखे होंगे जिन्हें मिर्च या नीम पसंद हो।

आयुर्वेद के अनुसार बच्चों के लिए वर्षों का वर्गीकरण-बचपन का एक महत्वपूर्ण पहलू है वर्षों का वर्गीकरण करना। यह एक सुंदर वर्गीकरण है जिसका वर्णन कश्यप संहिता में किया गया है, और यह उस भोजन पर आधारित है जिसे बच्चा मुख्य रूप से खाता है।इनमें से पहला है क्षीरपा, जो जन्म से लेकर पहले वर्ष तक होता है। इस समय बच्चा मुख्य रूप से दूध आधारित आहार पर होता है, विशेष रूप से स्तन के दूध पर। क्षीरानंद एक से दो साल की उम्र के बीच की अवधि है, जब बच्चा दूध और खाद्य पदार्थों को संतुलित रूप में खाता है। अन्नदा दो वर्ष से अधिक का होता है, जब बच्चा पूरी तरह से ठोस आहार पर होता है।इस वर्गीकरण का महत्व यह है कि यह बच्चे के बदलते पाचन का भी वर्णन करता है। यह विशेष रूप से नन्हें शिशुओं में देखा जाता है जब बच्चे की भूख में लगातार उतार-चढ़ाव होता है। आम तौर पर यह माता-पिता को परेशान कर देता है।

1. **विभिन्न प्रकार के स्वाद**-बच्चे के आहार में सभी छह स्वादों ङ्क मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा और कसैला शामिल करना महत्वपूर्ण है।

2. **मीठा**-यहां मीठे का मतलब सिर्फ चीनी या गुड़ नहीं है। इसमें अनाज, दूध और उसके उत्पाद, मीट के साथ-साथ दाल की पूरी श्रेणी शामिल है। स्तनपान कराने वाले बच्चे के मामले में भोजन के प्रमुख हिस्से में अनाज और डेयरी प्रोडक्ट शामिल होने चाहिए। अन्य खाद्य समूह जैसे सब्जियां, फल, मांस और दालें धीरे-धीरे और कम मात्रा में देनी चाहिए।

3. **अनाज**-बच्चे के आहार में महत्वपूर्ण अनाज जैसे चावल, गेहूं, जौ, रागी को भी शामिल करें। सबसे अच्छी दालों में से एक है मूंग दाल। इसके अलावा, अनार और खट्टे फल जैसे फलों को शामिल करना महत्वपूर्ण है। क्योंकि वे भूख में सुधार करते हैं। साथ ही दस्त जैसे सामान्य विकारों को रोकते हैं, जो इस आयु वर्ग में प्रचलित हैं। किशमिश भी एक महत्वपूर्ण घटक है, क्योंकि वे कब्ज को रोकने में मदद करती है।

4. **दूध**-याद रखें कि दूध अपने आप में एक भोजन है। इसलिए दूध और भोजन के बीच आधे घंटे से एक घंटे के अंतराल का पालन करना चाहिए। अन्यथा, दूध के साथ खट्टा या नमक का संयोजन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

5. **भोजन का समय**-एक बच्चे के मामले में भोजन का समय बहुत कठिन होता है। डिमांड फीडिंग एक बच्चे में भोजन के संकेतों की आवश्यकता पैदा करने का सबसे अच्छा तरीका है। ज्यादातर मामलों में जबरदस्ती खिलाने से तनाव हो सकता है। आम तौर पर, जब बच्चा भूखा होता है, तो वह आपके पास आता है।

बार-बार उंगलियां सोशल मीडिया स्क्रॉल करने लगती हैं?

तो जानिए इस लत से निजात पाने के उपाय

सोशल मीडिया पर अपडेट रहना अच्छी बात है, लेकिन शराब या सिगरेट की तरह इसका भी नशा न हो जाए, तो ये आपकी मेंटल हेल्थ और प्रोडक्टिविटी दोनों को प्रभावित कर सकता है। पिछले साल मीडिया में इस बात की खूब चर्चा रही कि भोपाल की एक महिला ने सिर्फ इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसके पास फेसबुक पर एक्टिव उसके बचपन की एक दोस्त हर रोज नए-नए गहनों को पहन कर फोटो शेयर करती थी। आत्महत्या करने वाली महिला के पास दोस्त की तरह स्टाइलिश गहने नहीं थे। पिछले दिनों वाट्सअप ग्रुप पर एक कविता खूब वायरल' हुई, जिसमें महिला के पति के पास एक साइकिल है, इसलिए वह शर्मसार है। वह लग्जरी कार के साथ सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करना चाहती है। **महिलाओं में बढ़ रही है सोशल मीडिया एडिक्शन** -इस तरह की कई घटनाएं और खबरें सामने आ रही हैं, जिसमें सबसे अधिक 20-40 वर्ष की फीमेल आबादी सोशल मीडिया से प्रभावित हो रही है। अमेरिका की एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी की सर्वे रिपोर्ट बताती है कि सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाली भारतीय महिलाओं की मेंटल हेल्थ प्रभावित हुई है। भारत में सोशल मीडिया के महिलाओं पर पड़ रहे बुरे प्रभाव के बारे में हमने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान फैकल्टी मेंबर डॉ. अरविंद मिश्र से बातचीत की। डॉ मिश्र के अनुसार, सोशल मीडिया सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से काम कर रहा है। यदि महिलाएं दिन भर में 6-7 घंटे इसका प्रयोग करती हैं, तो यह नशे की तरह काम करने लगता है। कई महीने तक लगातार ऐसा करने पर यह हमारे मेंटल स्टेटस को प्रभावित करने लगता है। कुछ जरूरी उपाय अपनाकर सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है।

1 बीच रात में सोशल मीडिया पर न जाएं-ज्यादातर महिलाएं स्वभाव से कोमल होती हैं। किसी भी बात का उनके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि वे अपनी किसी बचपन की फ्रेंड या किसी खास महिला की बातें सोशल मीडिया पर पढ़ती हैं, तो वे उस पर लगातार आत्म मंथन करती रहती हैं। वे किसी भी बात को दिल पर ले सकती हैं। जब भी महिलाएं फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया देखना बंद करें, तो मन में यह विश्वास पक्का करें कि सोशल मीडिया को ऑपरेट करना बंद करने के साथ ही, सारे दृश्यों और बातों पर भी वहीं विराम दे देना है। उसका फॉलोअप जानने के लिए कभी भी नींद खुलने पर सोशल मीडिया की स्टेटस चेक नहीं करें। इससे डिप्रेशन, इनसोमनिया के खतरे बढ़ते हैं। **2 टाइम फिक्स करें**-अक्सर हम दिन भर थोड़े-थोड़े अंतराल पर सोशल मीडिया चेक करते रहते हैं। किसी व्यक्ति को फॉलो करते रहते हैं। सबसे पहले मन को मजबूत करें और कोई एक टाइम फिक्स करें। जैसे कि दोपहर में 12-2 या फिर शाम में 5-6 बजे। एक रूटीन बना लें और फिर उसे रोज फॉलो करें। रात में लगातार फोन पर सोशल मीडिया देखते हुए न सोएं। इससे हमें कभी साउंड स्लीप नहीं आती है। यदि आप सोशल मीडिया देखने का टाइम फिक्स नहीं करेंगी, तो यह एक लत की तरह आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालेगा। यह आपकी जिंदगी को उसी तरह प्रभावित करने लगेगा, जिस तरह शराब या सिगरेट का सेवन जीवन को प्रभावित करता है।

3 दबाव न दें खुद पर-कभी भी खुद पर दबाव न बनाएं। दबाव बनाने पर थोड़े दिन बाद आप उसी काम को दोबारा करने लगेंगी जिसे आपने पहले छोड़ दिया था। माइंड को रिलैक्स करें। इस पर सोच-विचार करें, फिर उसे अमल में लाएं। मेडिटेशन भी आपको इस काम में मदद दे सकता है।

4 रचनात्मक कार्य करें-सोशल मीडिया पर आभूषण, डिजाइनर कपड़े या अनर्गल प्रलाप करने वाली पोस्ट पर जाने की बजाए आप खुद इस पर सकारात्मक कार्य करें। कई बार निगेटिव खबरें हमें न सिर्फ डिप्रेशन में ले जाती हैं, बल्कि कई गलत काम करने के लिए भी प्रेरित करती हैं। सोशल मीडिया आपके लिए माइंड रिलैक्सिंग हो जाएगा।

जब आप इस पर रचनात्मक कार्य करेंगी। - अपनी कोई भी कविता, कहानी या पेंटिंग या फिर यदि आप इलस्ट्रेशन बनाने में माहिर हैं, तो उसे शेयर करें। आपकी रचनात्मक प्रस्तुति पर जब लोग सकारात्मक कमेंट करेंगे, तो यह आपको अच्छा महसूस कराएगा और आप इन कार्यों को करने के लिए प्रेरित होंगी। साथ ही, आप वर्चुअल वर्ल्ड की बजाय वास्तविक दुनिया में समय देना अधिक पसंद करेंगी।

आम से शरारत तक: सोनी सब कलाकारों ने साझा की अपनी सबसे मीठी गर्मियों की यादें

मुंबई। गर्मी सिर्फ एक मौसम नहीं, बल्कि आज़ादी, यादों और उन छोटी-छोटी खुशियों का एहसास है, जोहमेशा दिल में बस जाती हैं। लंबे बेफिक्र दिन, परिवार के साथ छुट्टियाँ, आम से भरी दोपहरें, आइसक्रीम और धूप में कीगई बचपन की शरारतें गर्मी हर किसी के दिल में एक खास जगह रखती है। यह वह समय है, जब दिनचर्या धीमी होजाती है, हँसी-ठिठोली आसान हो जाती है और छोटी-छोटी बातों में बड़ी यादें बन जाती हैं। इस साल सोनी सब केकलाकार इक़बाल खान, गुलकी जोशी, मुस्कान बामने और अक्षया हिंदलकर अपनी गर्मियों की यादों को ताज़ा करते हुएबताते हैं कि उनके लिए यह मौसम कितना खास रहा है।इक़बाल खान, जो यादें में डॉक्टर देव का किरदार निभा रहे हैं, साझा करते हैं, ÷जब भी मैं गर्मियों के बारे में सोचता हूँ,मेरा मन सीधे कश्मीर की यादों में चला जाता है। सच कहूँ, तो वहाँ गर्मी कभी गर्मी जैसी लगी ही नहीं, क्योंकि मौसमहमेशा बेहद सुहावना रहता था। हम एक बड़ी कॉलोनी में रहते थे और उन दिनों का मतलब था सुबह से लेकर शाम तकबाहर रहना। पूरा दिन खेलते, दौड़ते, सेब तोड़ते और हर पल का मज़ा लेते हुए गुजरता था। शाम तक ही घर लौटते थेऔर ज़्यादा से ज़्यादा 7-30 बजे तक थककर सो जाते थे। वो बेफिक्र बचपन की गर्मियाँ मेरी सबसे प्यारी यादों में से हैं।÷गुलकी जोशी, जो यादें में सृष्टि का किरदार निभा रही हैं, साझा करती हैं, ÷गर्मी हमेशा मेरे लिए बहुत नॉस्टैल्जिक रही है।यह शांत दोपहरों, किताबें पढ़ने और बस धीमे-धीमे दिन बिताने का एक खूबसूरत मेल है। बचपन में मुझे याद है कि मैंअपनी नानी के घर जाती थी, जहाँ दिन बहुत सादगी से गुजरते थे, साथ ही जिनमें बातें करना, घर के कामों में मददकरना या बस साथ बैठना शामिल है। उन पलों में एक अलग सुकून था। वही गर्माहट और ठहराव आज भी मेरे लिएगर्मियों का मतलब है।÷मुस्कान बामने, जो पुष्पा इम्पॉसिबल में शनाया का किरदार निभा रही हैं, साझा करती हैं, ÷मेरे लिए गर्मी हमेशाआज़ादी और थोड़े-से एडवेंचर का एहसास रही है। मुझे याद है कि हम रिश्तेदारों के घर जाते थे और बाहर खूब समयबिताते थे। कभी दोस्तों के साथ पेड़ से कच्चे आम तोड़ने की कोशिश भी करते थे। वो छोटी-छोटी शरारतें, परिवार के साथबिताए पल मिलकर गर्मियों को बेहद रोमांचक बना देते थे। आज भी जब वो यादें ताज़ा होती हैं, तो चेहरे पर तुरंतमुस्कान आ जाती है।÷अक्षया हिंदलकर, जो पुष्पा इम्पॉसिबल में राशी का किरदार निभा रही हैं, साझा करती हैं, ÷गर्मी हमेशा मेरे लिए दोस्तोंऔर कज़िन्स के साथ यादें बनाने और जुड़ाव का मौसम रही है। हम छोटे-छोटे पिकनिक प्लान करते थे, घंटों खेलते थे औरअपनी खुद की छोटी-छोटी एडवेंचर कहानियाँ बनाते थे। मुझे यह भी याद है कि हम देर रात तक जागते थे, कहानियाँसुनाते थे और छोटी-छोटी बातों पर हँसते-हँसते लोटपोट हो जाते थे। वही बेफिक्र और अनप्लान्ड पल मेरे लिए गर्मियों को सच में अविस्मरणीय बना देते थे।÷

वेट लॉस के साथ लेना है आलूबुखारा का आनंद, तो इन स्मूदी रेसिपीज को करें ट्राई

जूसी और टेस्टी आलूबुखारा अपने रंग, सुगंध और स्वाद के कारण सभी को खूब पसंद आता है। गर्मियों का यह खास फरूट अगर आप अपनी वेट लॉस डाइट में एड करना चाहती हैं, तो ये रेसिपीज आपके लिए हैं।गर्मियों के मौसम में आलू बुखारे का स्वाद और महक हमारे शरीर को पोषण के अलावा ठण्डक प्रदान करते हैं। स्वाद में खट्टे मीठे प्लम फाइबर और ढ़ेर सारे एंटी ऑक्सीडेंटस से भरपूर है। जो हमारे शरीर हृदय संबधी बीमारियों से लेकर वेटलॉस में भी मददगार साबित होता है। मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक इस लो कैलोरी फल में पाया जाने वाले एडिपोनेक्टिन हार्मोन शरीर में ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है। डायबिटीज़ के मरीजों को भी फायदा पहुंचाता है। यूं तो हम आलू बुखारे को फल के तौर पर खाते है। अगर आप वेट लॉस कर रहीं हैं, और आलूबुखारा की शौकीन हैं, तो इन 3 स्मूदी को अपनी वेट लॉस डाइट में जरूर शामिल करें।प्लम में 15 प्रकार के विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते है। इसके अलावा ये फाइबर, पोटेशियम, कॉपर और मैगनीज़ का मुख्य स्त्रोत है। पके हुए आलू बुखारों के अलावा आप ड्राइड फॉर्म में भी आलू बुखारे खा सकते हैं। कॉपर से भरपूर होने के कारण शरीर में खून की कमी को पूरा करने का काम करता है। साथ ही ब्लड फ्लो को भी नियमित करता है।इसे बनाने के लिए सबसे पहले बैरीज का धोकर काट लें। उसके बाद प्लम को छीलकर उसका पल्प अलग कर लें। आप चाहें, तो बिना पील किए भी प्लम का प्रयोग कर सकते हैं।अब ब्लैण्डर में प्लम पल्प और बैरीज़ को मैश करके पेस्ट बनाएं। उसके बाद इस मिश्रण में दूध को एड करें। एक तरल घोल तैयार होने के बाद में 2 टेबलस्पूल ओट्स को इसमें डालकर ब्लैण्ड कर दें। अब स्मूथ पेस्ट तैयार होने के बाद फ्रोजन केल, आइए स्कूब्स और शहद मिला दें।पूरी तरह से ब्लैण्ड होने वार स्मूदी को गिलास में निकालें और सर्व करने से पहले दालचीनी पाउडर डालकर गार्निश करें। आप इसमें कटी हुई बैरीज़ के कुछ टकड़े भी एड कर सकते हैं।इसे बनाने के लिए पूरी तरह से पके हुए प्लम को धोकर मैश कर लें और सीड्स अलग कर दें। अब इसमें कटा हुआ आम मिलाकर ब्लैण्ड करें।आप चाहें, तो इसमें फ्रोजन मैंगों भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस मिश्रण में खजूर को टुकड़ों में काटकर डालें और साथ ही एक कप दूध भी एड कर दें। एक थिक टैक्सचर बनने के बाद उसमें वनीला एसेंस, कोकोआ पाउडर और आइस क्यूब्स को मिला दें। अब स्मूदी बनकर पूरी तरह से तैयार है।

इसे सर्व करने से पहले गिलास में एक चम्मच भीगे हुए चिया सीड्स को डालें और फिर तैयार स्मूदी को शेक करके एड कर दें।तैयार हेल्दी स्मूदी में शहद मिला दें और उसे छोटी इलायची के पाउडर से गार्निश करें।

3 बनाना प्लम स्मूदी

इसे बनाने के लिए हमें चाहिए

फ्रोजन बनाना 1 से 2
प्लम 3 से 4
दही 1 कप
पानी 1 कप
आइए क्यूब्स 4 से 5
कटे हुए बादाम 1 चम्मच
भीगी हुई अंजीर 3 से 4
कोकोनट शुगर 1 चम्मच

इसे बनाने के लिए फ्रोज़न केले को टुकड़ों में काट लें और उसमें पके हुए आलू बुखारे का प्लप निकालकर मिला दें।

इन दोनों चीजों को समान मात्रा में लें और ब्लैण्डर में डाल दें। एक थिक पेस्ट तैयार होने के बाद उसमें 1 कप घर में तैयार किया हुआ दही एड करें।

आप चाहें, तो दही के स्थान पर दूध का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद भीगी हुई अंजीर को काट लें और उसे स्मूदी में डालें।

साथ ही आइस क्यूब्स और कोकोनट शुगर भी एड करें। तैयार स्मूदी को गिलास में डालें और फिर कटे हुए बादाम से गार्निश करें।

सीएसआईआर-सीरी, जयपुर परिसर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का हुआ भव्य आयोजन

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के जयपुर परिसर में 11 मई, 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने की। पारंपरिक रूप से समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव श्री मेघेन्द्र शर्मा तथा अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उपस्थित जनों को राष?ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी किसी भी राष्ट्र की प्रगति के मूल आधार हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय विज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए वैज्ञानिक संस?थानों को आधुनिक विज्ञान के साथ सामंजस्य बैठाकर आगे बढ़ने की बात की। उन्होंने सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान देश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों एवं अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-सीरी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने हेतु निरंतर कार्यरत है। उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति के लिए देश के सभी नागरिकों से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा ने भी देश के विकास के लिए शिक्षा, उद्योग जगत एवं शोध संस्थानों को मिलकर कार्यकरने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने विज्ञान भारती द्वारा प्रकाशित राजस्थान विज्ञान महोत्सव नामक पुस्तक और विद्यार्थी विज्ञान मंथन पोस्टर का भी विमोचन किया। राज्यपाल एवं अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की विशेष प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी में संस्थान की अनुसंधान एवं नवाचार क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पेनल चर्चा में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ-साथ देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम संचालन डॉ नीरज कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने किया।

राष्ट्रीय एनआरपी दिवस पर बीडीके अस्पताल में नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राष्ट्रीय एनआरपी दिवस के अवसर पर भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के फर्स्ट गोल्डन मिनट प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजकीय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में बेसिक नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 स्वास्थ्यकर्मियों, जिनमें रेजिडेंट चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी एवं परामर्शदाता शामिल रहे, को नवजात शिशु पुनर्जीवन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जन्म के तुरंत बाद आपातकालीन स्थिति में नवजात शिशुओं को जीवन रक्षक सहायता उपलब्ध कराने की दक्षता विकसित करना था। प्रशिक्षण का संचालन डॉ. विजय झाझड़िया एवं डॉ. रविकांत सांखला द्वारा किया गया। इस दौरान पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने प्रतिभागियों को नवजात शिशु की प्रारंभिक देखभाल, श्वसन सहायता तथा 'गोल्डन मिनट' में किए जाने वाले महत्वपूर्ण जीवन रक्षक कदमों की जानकारी दी।वक्ताओं ने कहा कि जन्म के तुरंत बाद का पहला मिनट नवजात शिशु के जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सही समय पर उचित उपचार और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी नवजात मृत्यु दर को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे देश में भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी एवं राष्ट्रीय नवजात विज्ञान फोरम के तत्वावधान में आयोजित किया गया। देशभर के 35 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 1077 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें 24 हजार से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं सुरक्षित भविष्य के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

चिड़ावा: वार्ड 28 में नए नलकूप का उद्घाटन, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मावँडिया ने दी पेयजल संकट से राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के वार्ड नंबर 28 में पिछले काफी समय से बनी हुई पेयजल किल्लत अब समाप्त होने जा रही है। वार्डवासियों की इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु स्थापित किए गए नए नलकूप का विधिवत शुभारंभ ओबीसी आयोग के सदस्य एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मावँडिया द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई और स्थानीय लोगों ने इसे विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं जय प्रकाश वर्मा के निरंतर प्रयासों की जमकर सराहना की गई। वार्डवासियों ने बताया कि इन दोनों पदाधिकारियों की सक्रियता और जनहित के प्रति समर्पण के कारण ही नलकूप की स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो पाया है। इस अवसर पर आभार प्रकट करते हुए वार्डवासियों ने पवन मावँडिया का साफा व शॉल पहनाकर और श्रीफल भेंट कर भव्य अभिनंदन किया। साथ ही शीशराम हलवाई को भी शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

भीषण गर्मी के मौसम में गहराते जल संकट के बीच इस नलकूप के शुरू होने से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। उद्घाटन के दौरान पूर्व चेयरमैन शंकर लाल वर्मा, संदीप हलवाई, निर्मल शर्मा, सोनू मित्तल, सावरमल धाबाई, जय प्रकाश शर्मा, गोलू हलवाई, कन्हैया लाल हलवाई, मनोहर लाल शर्मा, विक्की जसरापुरिया, निरंजन शर्मा, दीपक बाछूका, निखिल मावँडिया, पंकज लाम्बिवाल, महेंद्र शेखावत, नरेंद्र वर्मा, सौरव शर्मा, अरविंद पंसारी, कपीश चोलाल, अभिषेक लाम्बिवाल, शशांक पुरोहित, अनिल शर्मा, शिव कुमार, गोपाल टेलर, अरुण आरडावतीय, राजेंद्र पंसारी, चेतन चोमाल, मोतीलाल गुरुजी, बंटी पारीक, पवन शर्मा, नरेश धाबी, राकेश शर्मा, आकाश तंवर, नमन शर्मा एवं मनजीत धबाई सहित सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और वार्डवासी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि इस नई सुविधा से क्षेत्र की महिलाओं और बुजुर्गों को पानी के लिए होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। उपस्थित लोगों ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनसमस्याओं का त्वरित समाधान होता रहेगा।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व ने जगाई राष्ट्रभक्ति की अलख, छात्राओं ने पोस्टर व व्याख्यान प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय कन्या महाविद्यालय हेतमसर में सोमवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान, सांस्कृतिक चेतना तथा भारतीय सभ्यता और विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। आयोजन के दौरान छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए भारतीय संस्कृति और इतिहास के प्रति अपनी जागरूकता एवं रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। व्याख्यान प्रतियोगिता में बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कनक ने प्रभावशाली प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा अंकिता ने आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने सोमनाथ मंदिर के इतिहास, उसके पुनर्निर्माण तथा भारतीय संस्कृति में उसके महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम प्रभारी एवं सहायक आचार्य वंदना कुमारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक महत्व, भारतीय संस्कृति में उसकी गौरवपूर्ण भूमिका तथा राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में उसकी पहचान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों और देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता बेनीवाल ने छात्राओं को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय गौरव से जुड़े आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रप्रेम का विकास समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में सहायक आचार्य सुभाष चन्द्र,अविनाश कुमार मील, योगेन्द्र कुमार,रविकांत मीणा, प्रियंका,अशोक कुमार सैनी एवं प्रियंका कुल्हरी सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। पूरे आयोजन के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुंडावर में 'माय भारत' के तत्वावधान में राष्ट्रीय तकनीकी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वालंटियर अभिषेक कौशिक ने युवाओं को डिजिटल सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चंद । मुंडावर कस्बे के सराय रोड स्थित दीप विजन शिक्षण संस्थान में सोमवार को खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ 'माय भारत' के तत्वावधान में राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी नवाचार, डिजिटल सशक्तिकरण एवं भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माय भारत वालंटियर अभिषेक कौशिक ने कहा कि वर्तमान युग तकनीकी उन्नति और डिजिटल सहभागिता का युग है, जिसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने 'माय भारत' पोर्टल के माध्यम से संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं, युवा कार्यक्रमों, स्वयंसेवी गतिविधियों और कौशल विकास से जुड़े अवसरों की विस्तृत जानकारी दी।

अभिषेक कौशिक ने युवाओं से 'माय भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराकर राष्ट्रहित एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने योजनाओं और पोर्टल से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर उत्साहपूर्वक भागीदारी दिखाई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित युवाओं को तकनीकी जागरूकता, डिजिटल सहभागिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक रणदीप यादव, प्राचार्य पूनम यादव, युवा नेता शेखर चौहान, सूरजमल चेतना फाउंडेशन के सत्येंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं युवा उपस्थित रहे।

मंडावा में प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय वाकपीठ: नई शिक्षा नीति, डिजिटल शिक्षा और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार पर हुआ मंथन

विद्यालय प्रबंधन, नामांकन वृद्धि, नवाचार और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर हुए विशेष सत्र

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के महाजन पंचायत भवन में सोमवार को मंडावा ब्लॉक शिक्षा विभाग की ओर से प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय वाकपीठ कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षा अधिकारियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारना, विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम बेहतर बनाना तथा नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना रहा। कार्यशाला में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ थे। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा एवं मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार,जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा एवं मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सतत चिंतन, मनन और मंथन को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मंडावा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार, प्रधानाचार्य सुनीता नायक, उर्मिला, राकेश कुमार ढाका, अजय कुमार सिहाग, जयराम सहित कार्यशाला कार्यकारिणी के सचिव डॉ. संजीव कुमार प्रधानाचार्य भीमसर एवं कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिहाग मौजूद रहे। कार्यशाला के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यालय संचालन, नामांकन वृद्धि, डिजिटल शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विद्यालयों में अनुशासन, नियमित मॉनिटरिंग और शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा अलग-अलग सत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें प्रार्थना सभा का प्रभावी संचालन, विद्यालय विकास योजना, बाल वाटिका, अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में नवाचार, चुनौतियों तथा नामांकन वृद्धि,ऑडिट आपेक्ष निस्तारण, रोकड़ पंजीका संधारण, नवभारत साक्षरता, महात्मा गांधी पुस्तकालय एवं वाचनालय,ट्रांसपोर्ट वाउचर एवं डीबीटी योजना, विद्यालय सबलन अवलोकन तथा टिकट निस्तारण प्रक्रिया जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर सुमन प्रधानाचार्य वाहिदपुरा, मुकेश कुमार प्रधानाचार्य महनसर,राकेश कुमार ढाका प्रधानाचार्य भारू,मूलसिंह शेखावत, साक्षरता प्रभारी मंडावा प्रदीप कुमार, प्रधानाचार्य सिंगड़ा, संजीव कुमार, प्रधानाचार्य भीमसर सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त कए।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का जन्मदिन गोसेवा व रक्तदान कर मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य संस्था के प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान के माननीय शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के जन्मदिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सीकर द्वारा विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोकुलपुरा गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाकर गोसेवा की गई। साथ ही जिला ऑर्गेनाइजर स्काउट नकुल मीना ने एसके हॉस्पिटल सीकर में स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता एवं सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला ऑर्गेनाइजर परमेश्वरी वर्मा, गौसेवा कर्मी, एसके हॉस्पिटल सीकर के लैब टेक्नीशियन सतवीर जी, सत्येंद्र जी, डोली पारीक, संदीप कुमार, अनु कुमारी, राहुल चौधरी, रवि कुमार एवं हर्षित सहित अन्य लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम के माध्यम से समाज सेवा, गौसेवा और मानव सेवा का संदेश देते हुए शिक्षा मंत्री के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास की तीसरी विंग का निर्माण शुरू करने का मीटिंग में हुआ निर्णय

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती समारोह के लिए गठित उच्च स्तरीय राष्ट्रीय समिति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री का आभार जताया

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति की रविवार को समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में छात्रावास की तीसरी विंग का निर्माण कार्य शुरू किए जाने का निर्णय लिया तथा ठेकेदार को निर्माण के लिए चर्चा परिचर्चा कर कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गई। यह जानकारी देते हुए समिति के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया कि इस अवसर पर छात्रावास के निर्माण कार्य का समिति के सदस्यों ने अवलोकन किया तथा भावि योजनाओं, छात्रावास की गतिविधियों, नि:शुल्क संचालित लाइब्रेरी, विधार्थियों के आवास व भोजन व्यवस्थाओं पर चर्चा परिचर्चा की गई तथा छात्रावास में नवप्रवेशित विधार्थियों से संवाद कर उनका स्वागत किया गया। तथा अर्थ संग्रह की लिए आवश्यक चर्चा परिचर्चा की गई। मीटिंग में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती समारोह के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय राष्ट्रीय समिति के लिए प्रसन्नता जाहिर करते हुए समिति शामिल सभी सदस्यों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया गया। इस अवसर पर छात्रावास निर्माण में सहयोग दें रहें भामाशाह, दानदाताओं व सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया तथा भविष्य में भी सहयोग करते रहने व भामाशाहों से अनवरत संपर्क करने का निर्णय लिया गया।मीटिंग में समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, प्रोजेक्ट एडवाइजर महावीर प्रसाद जाजम, भूमि प्रदाता विनोद कुमार गौड़ प्रवक्ता मनोज राकसिया बाबूलाल सैनी, संदीप कुमार, अंकित कुमार, अनिल कुमार, युवराज, अनिल मावर, राजा सैनी, अनिल हेतमसर परमेश्वर लाल सहित पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे।

शैक्षिक चैरिटी समानता और समावेशी शिक्षा की दिशा में एक कदम विषय पर व्याख्यान आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

समान व समावेशी शिक्षा के लिए सामुदायिक प्रयास और शैक्षिक चैरिटी बहुत जरूरी है । यह सशक्त व समृद्ध समाज की नींव है। जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद से ही उच्च शिक्षा का प्रतिशत बढ़ सकता है । उक्त विचार समर्पण संस्था जयपुर की ओर से राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान दुर्गापुरा स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में शैक्षिक चैरिटी पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने व्यक्त किए। डॉ. माल्या ने पीपीटी प्रजन्टेशन द्वारा शैक्षिक चैरिटी: समानता और समावेशी शिक्षा की दिशा में एक कदम विषय पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए कहा कि शिक्षा वह प्रकाश है जो अंधकार को दूर करता है।व्याख्यान कार्यक्रम की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे राम अवतार नागरवाल व आर्किटेक्ट सुश्री सुवज्ञा माल्या ने प्रस्तुत किया । इस अवसर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस ए आर खान उपस्थित रहे ।गीतकार रमेश कुमार ने शिक्षा पर एक गीत प्रस्तुत किया । विशेष आमंत्रित अतिथि योगाचार्य योगी मनीष सूर्यवंशी हेप्पीनेस योगा पर अपने विचार व्यक्त किये ।विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त

उपप्रधानाचार्य व साहित्यकार डॉ. प्रकाश चन्द टेलर, अधिशाषी अभियंता नरेश कुमार बैरवा , सीनियर सेक्शन इंजीनियर लखन लाल मीना ने भी अपने विचार व्यक्त किये । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त आईपीएस जी. सी. रॉय ने कहा कि शैक्षिक चैरिटी ज्ञान का प्रकाश है, जो अंधेरे को मिटाकर हर जीवन को रोशन कर सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सबको मिलकर काम करने की जरूरत है ।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. अतुल गुप्ता अंतर्राष्ट्रीय संयोजक, अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद व चेयरमैन, ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया, वेद प्रकाश वर्मा अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जयपुर विकास प्राधिकरण , श्रीमती कमला लाम्बा, डॉ. नेहा गोयल, गोपाल प्रसाद, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण, राजीव कुमार जैन, मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था, अशोक सामरिया प्रदेशाध्यक्ष, एस एसटी ओबीसी अधिकारी कर्मचारी संयुक्त महासंघ राजस्थान, सुश्री निर्मला सोनी, मदन लाल बैरवा, डॉ मंजूलता भट्ट निर्देशिका, अखिल संगीत संस्थान, डॉ. विशाल गौतम सहायकआचार्य, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना ,एस एस जैन सुबोध पी जी महाविद्यालय, जयपुर, अभय चोमिया, डॉ.विष्णु सिंह जादौन,डॉ तुषार जागावत सीनियर प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा एवं नशारोग विभाग, निम्स मेडिकल कॉलेज-अस्पताल, जयपुर , लखन लाल मीना, किशोर कुमार अरोड़ा, सुरेश डिकोलिया, सचिन अग्रवाल मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था, बाबू लाल बिजोरिया, किशन जोनवाल, कौशल कुमार गौतम, श्रीमती अनिता मीना, प्रभु दयाल खडकवाल, जगदीश नारायण मीना, रामदास तरुण, रामवतार भोज नीरज कुमार बाहेती, सूर्य मेहरा, डॉ. राकेश कुमार सिंह के साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें वहीं कार्यक्रम का मंच संचालन शिवाली गुप्ता ने किया।

पीड़ित परिवार के आंगन में फिर जगी उम्मीद, प्रयास परिवार ने लगाया टीनशेड

आगजनी में बकरियां और सामान जलने के बाद सामाजिक सरोकार निभाते हुए बढ़ाया मदद का हाथ।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के ग्राम सालिमपुर में हाल ही में हुई आगजनी की दर्दनाक घटना के बाद अब सामाजिक सहयोग की मिसाल सामने आई है। विगत 2 मई 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे सालिमपुर निवासी अमरेश पुत्र संतोषी कोली के घर अचानक आग लग जाने से उसका छप्पर धू-धू कर जल उठा था। हादसे में कई बकरियां जिंदा जल गई थीं, वहीं पशुओं का चारा और परिवार की गृहस्थी का सामान भी राख हो गया था। घटना के बाद पीड़ित परिवार गहरे संकट में आ गया था। ऐसे मुश्किल समय में 'प्रयासः-एक कदम बदलाव की ओर' परिवार के सदस्यों ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए पीड़ित परिवार की सहायता के लिए आगे कदम बढ़ाया। प्रयास परिवार के युवाओं ने आपसी सहयोग से धनराशि एकत्रित कर परिवार के पशुओं और बकरियों के लिए लोहे का टीनशेड लगवाया, ताकि पीड़ित परिवार को दोबारा पशुपालन शुरू करने में

सहारा मिल सके। इसके साथ ही 1100 रुपए की नगद सहायता राशि भी परिवार को प्रदान की गई।

ग्रामीण परिवेश में पशुधन को परिवार की आर्थिक रीढ़ माना जाता है और आगजनी की इस घटना ने परिवार की रोजी-रोटी पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया था। ऐसे में युवाओं द्वारा किया गया यह सहयोग गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। मौके पर प्रयास परिवार के सदस्यों के साथ सालिमपुर के ग्रामीण भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने युवाओं की इस पहल को मानवता और सामाजिक सरोकार की मिसाल बताते हुए कहा कि विपत्ति की घड़ी में इसी तरह का सहयोग पीड़ित परिवारों को फिर से खड़ा होने का हौसला देता है।

पूर्व एनएसजी कमांडो ने निभाया भाई का फर्ज, बिना भाई की बहन के छह बच्चों का भात भरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

क्षेत्र के गांव कलाखरी में इंसानियत, भाईचारे और रिश्तों की अनूठी मिसाल देखने को मिली। नारनौल क्षेत्र के गांव बलाहा कला निवासी पूर्व एनएसजी कमांडो एवं वर्तमान में दिल्ली पुलिस में कार्यरत महताब सिंह ने बिना भाई की बहन के छह बच्चों का भाई बनकर भात की रस्म निभाई। वे गांव बलाहा कला से पूरे मान-सम्मान के साथ भात भरने कलाखरी पहुंचे। महताब सिंह ने धर्म बहन के परिवार का सहारा बनकर समाज को भाईचारे, सामाजिक एकता और इंसानियत का संदेश दिया। आज के दौर में जहां छोटे-छोटे विवाद रिश्तों में दूरियां पैदा कर देते हैं, वहीं महताब सिंह ने एक महिला का भाई बनकर ऐसा फर्ज निभाया कि शादी समारोह में मौजूद लोग भावुक हो उठे। जानकारी के अनुसार राजस्थान के गांव कलाखरी निवासी चित्रा के सगे भाई सुरेंद्र सिंह का वर्ष 2006 में निधन हो गया था। भाई के निधन के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। समय बीतने के साथ परिवार में बेटियों और बेटों की शादी की जिम्मेदारी सामने आई। ऐसे कठिन समय में महताब सिंह ने चित्रा को अपनी धर्म बहन मानते हुए परिवार का हाथ थाम लिया।बताया गया कि चित्रा के कुल छह बेटे-बेटियां हैं। महताब सिंह ने सभी बच्चों की शादी में भाई बनकर भात भरने की रस्म निभाई। शुक्रवार को कलाखरी गांव में चित्रा के दो बेटों शेर सिंह और राजू की शादी से पहले भात की रस्म आयोजित हुई। इस अवसर पर महताब सिंह करीब

25 लोगों के साथ भात भरने पहुंचे।

भात की रस्म के दौरान माहौल बेहद भावुक रहा। बहन चित्रा की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। उन्होंने कहा कि भाई के निधन के बाद जीवन में बहुत बड़ा खालीपन आ गया था, लेकिन महताब सिंह ने कभी भाई की कमी महसूस नहीं होने दी। वे हर सुख-दुख में परिवार के साथ खड़े रहे। महताब सिंह ने कहा कि रिश्ते केवल खून से नहीं, बल्कि अपनत्व और विश्वास से भी बनते हैं। उन्होंने कहा कि चित्रा उनके गांव की बेटी है और भाई होने के नाते उसका साथ देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे की मदद करने की अपील की। गांव के सरपंच वीरेंद्र सिंह यादव ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में ऐसे उदाहरण बहुत कम देखने को मिलते हैं। शादी समारोह में मौजूद लोगों ने इस पहल को सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और इंसानियत की सच्ची मिसाल बताया।

सूरजगढ़ को मिलेगी नई सड़कों की सौगात, विधायक श्रवण कुमार ने उपमुख्यमंत्री को सौंपी 54 किलोमीटर सड़कों की विकास योजना

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

विधानसभा क्षेत्र सूरजगढ़ की सड़कों का कायाकल्प करने और ग्रामीण कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विधायक श्रवण कुमार ने राजधानी जयपुर में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्रीमती दीया कुमारी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विधायक ने बजट घोषणा 2026 के अंतर्गत क्षेत्र की प्राथमिकता वाली 54 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण एवं सुधार के लिए विस्तृत अनुशंसा सूची सौंपी।विधायक श्रवण कुमार ने बताया कि प्रस्तावित सड़कों का चयन आमजन की मांग और क्षेत्र की आवश्यकता के आधार पर किया गया है। इन सड़कों के निर्माण और सुधार से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचेगा। उपमुख्यमंत्री ने प्रस्तावों पर जल्द स्वीकृति जारी करने का सकारात्मक आश्वासन दिया है। सिंघाना नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इस सूची में उन ढाणियों और रास्तों को शामिल किया गया है, जो वर्षों से उपेक्षित थे। कुल 54 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण और मरम्मत से दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन

में सुविधा मिलेगी।

मिसिंग लिंक सड़कों को मिली प्राथमिकता

विधायक द्वारा सौंपी गई सूची में लंबे समय से कच्चे पड़े मार्गों को प्राथमिकता दी गई है। इनमें किढवाणा मोड़ से सैदपुर 2 किलोमीटर, काकोड़ा मुख्य सीमा से सरपंच चरण सिंह के घर की ओर 1 किलोमीटर, पथाना में बलवीर पूर्व सरपंच के घर से ढाणी की तरफ 1 किलोमीटर, मोई भारू से बाबा हनुमान दास तक 1 किलोमीटर, पुहानिया से ढाणी खुशीनाथ तक 2.5 किलोमीटर, ब्राह्मणवास स्कूल से मेघवाल श्मशान घाट तक 2 किलोमीटर, पिलौद से जोशियों की ढाणी तक 1 किलोमीटर, कुलोठ से मेघवाल मोहल्ला रूपपुरा श्मशान घाट तक 1 किलोमीटर, रामप्रताप के कुएं से भालोठ बाईपास तक 2 किलोमीटर, कालूराम की ढाणी रोड से गोपालपुरा तक 2 किलोमीटर, बीसनपुरा से अगवाना कलां तक 1 किलोमीटर, भैसावता कलां में सूबेदार रणसिंह नरुका के घर से सूबेदार शेरसिंह के घर तक 1 किलोमीटर, काकोड़ा से खेदड़ों की ढाणी व श्री मीर सिंह के घर तक 1 किलोमीटर तथा अमरपुरा से कुठानिया आबादी क्षेत्र तक 500 मीटर सड़क शामिल है।

15 मुख्य मार्गों का होगा रीकार्पेट कार्य

जर्जर हो चुकी सड़कों को नया रूप देने के लिए 15 मुख्य मार्गों पर रीकार्पेट कार्य की अनुशंसा की गई है। इनमें सिंघाना-खानपुर से सांवलोद 3 किलोमीटर, हीरवा से बास चुनाराम 3 किलोमीटर, कुहाड़वास से जैतपुर 3 किलोमीटर, बुहाना से सुल्ताना अहिरान 3 किलोमीटर, भिर्र से भोपालपुरा 3 किलोमीटर, घरडाणा खुर्द से ढाणी बाढ़ान 2.5 किलोमीटर, भिर्र से भिर्र की ढाणी 1 किलोमीटर, नूहानिया से हरियाणा बॉर्डर 2 किलोमीटर, जैतपुर से हरियाणा बॉर्डर 2 किलोमीटर, बलोदा से काजला 3 किलोमीटर, हीरवा से डांगियों की ढाणी 2 किलोमीटर, पचेरी से नावता की ढाणी 1 किलोमीटर, किढवाना से स्वामी सेही 3 किलोमीटर, लाम्बी जाट से नेहरा की ढाणी 1.5 किलोमीटर तथा डूमोली से बाजोतिया की ढाणी 2 किलोमीटर सड़क शामिल है। विधायक श्रवण कुमार की इस पहल से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों, किसानों और हरियाणा सीमा पर आवागमन करने वाले व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। प्रस्तावों की स्वीकृति की उम्मीद से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़कों के सुधार से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

निहालोठ में आर्य समाज का 24वां स्थापना दिवस सम्मेलन श्रद्धा और उत्साह से संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

ग्राम निहालोठ, तहसील बुहाना में आर्य समाज का 24वां स्थापना दिवस सम्मेलन बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और वैदिक परंपरा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः हवन-यज्ञ के साथ किया गया। इसके बाद विद्वानों द्वारा भजन, प्रवचन और वैदिक उपदेश प्रस्तुत किए गए।सम्मेलन में स्वामी दयानंद सरस्वती जी के आदर्शों, उनकी जीवन पद्धति और वेदों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज में शिक्षा, समानता, सत्य और वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार का संदेश दिया था, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में मुख्य उपदेशक के रूप में बहन कलावती आर्य, ब्रह्मवादिनी आश्रम गंगियार, और स्वामी यशदेव जी, कुंड, ने अपने विचार रखे। उन्होंने वैदिक जीवन पद्धति अपनाने, समाज में कुरीतियों को दूर करने और संस्कारयुक्त जीवन जीने का आह्वान किया। भजनोपदेशक के रूप में सतवीर आर्य दलाल, महाशय बंशीराम कलवाड़ी, राजेंद्र आर्य उटोली और मास्टर हरि सिंह ने भजनों के माध्यम से वैदिक संदेश दिया। उनके भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक भाव से ओत-प्रोत कर दिया। सम्मेलन के दौरान समाज और ग्राम

के विकास में योगदान देने वाली महिलाओं एवं पुरुषों को सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, अधिकारियों और पदाधिकारियों का भी सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक कप्तान जगराम आर्य द्वारा ग्रामवासियों और बाहर से आए अतिथियों के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन आर्य समाज निहालोठ के अधिकारियों और सदस्यों द्वारा किया गया। सम्मेलन का वातावरण धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्साह से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित लोगों ने ऐसे आयोजनों को समाज में संस्कार, एकता और वैदिक विचारधारा के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण बताया।

मंडावर की पलक जैन को राज्यपाल ने पहनाए तीन गोल्ड मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे की बेटी पलक जैन ने राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह में तीन गोल्ड मेडल हासिल कर मंडावर का नाम रोशन किया है। आकाश कॉलेज की छात्रा पलक जैन पुत्री कैलाशचंद जैन ने सत्र 2024-25 की

स्नातक विज्ञान वर्ग परीक्षा में गणित एवं भौतिक विज्ञान विषयों के साथ छात्रा वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयपुर में आयोजित समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पलक को गोल्ड मेडल एवं मेरिट प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने भी पलक की उपलब्धि की सराहना की। पलक की इस सफलता से मंडावर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

जाह्नवी जाडीवाल ने जीता रजत व कांस्य पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

7वीं सीकर जिला योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियन 2026 प्रतियोगिता में लक्ष्मनगढ की जाह्नवी जाडीवाल पुत्री पवन जाडीवाल ने सफलता का परचम लहराते हुए सिल्वर व कांस्य पदक जीता है ।

त्याग केवल जनता करे, सत्ता उत्सव मनाए – यह कैसा अनुशासन?

संकट के समय सादगी का उपदेश और वैभव का प्रदर्शन : लोकतंत्र का सबसे बड़ा व्यंग्य

भीम प्रज्ञा नेटवर्क
आर्टिकल@जयदयाल मान।

जब भी देश किसी आर्थिक दबाव, महंगाई, संसाधनों की कमी या वैश्विक अस्थिरता के दौर से गुजरता है, तब सबसे पहले जनता को समझाया जाता है– 'संयम रखिए, बचत कीजिए, पेट्रोल बचाइए, बिजली बचाइए, अनावश्यक खरीद से बचिए। 'सरकार की ओर से यह संदेश दिया जाता है कि राष्ट्रहित में थोड़ी असुविधा सहन करनी होगी। नागरिक भी देशहित में बहुत कुछ सह लेते हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा होता है कि संकट केवल उनका नहीं, पूरे राष्ट्र का है। लेकिन लोकतंत्र का सबसे बड़ा व्यंग्य तब दिखाई देता है, जब एक ओर आम आदमी से कहा जाता है कि वह खर्च कम करे, और दूसरी ओर सत्ता के मंचों पर करोड़ों रुपये की चमक दिखाई देती है। जनता से कहा जाता है कि सोना मत खरीदो, ईंधन बचाओ, जरूरत भर खर्च करो; वहीं दूसरी तरफ भव्य रैलियां, विशाल मंच, बड़े-बड़े स्वागत समारोह, प्रचार यात्राएं और उद्घाटन कार्यक्रम पूरे शानोशौकत के साथ चलते रहते हैं। सवाल यह नहीं कि लोकतांत्रिक गतिविधियां क्यों हो रही हैं। सवाल यह है कि जब देश को मितव्ययिता का संदेश दिया जा रहा हो, तब क्या सत्ता और शासन को भी उसी सादगी का उदाहरण नहीं बनना चाहिए? लोकतंत्र में उपदेश से अधिक प्रभाव उदाहरण का होता है। जनता भाषण कम और व्यवहार अधिक

देखती है। यदि देश कठिन दौर से गुजर रहा है, तो क्या बड़े आयोजनों की भव्यता थोड़ी सीमित नहीं हो सकती? क्या करोड़ों रुपये के मंचों की जगह साधारण सभाएं नहीं हो सकतीं? क्या सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह संदेश नहीं देना चाहिए कि संकट के समय राष्ट्र पहले है, प्रदर्शन बाद में?

विडंबना देखिए–एक तरफ नागरिकों से कहा जाता है कि दो किलोमीटर के लिए वाहन मत निकालिए, दूसरी तरफ हजारों वाहनों के काफिले धूल उड़ाते हुए 'सादगी' का संदेश देने निकल पड़ते हैं। जनता से कहा जाता है कि बिजली बचाइए, और राजनीतिक आयोजनों में रातभर रोशनी की जगमगाहट चलती रहती है। गरीब आदमी को रसोई गैस बचाने का उपदेश मिलता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में खर्च की आग कभी धीमी नहीं पड़ती। यह आलोचना किसी एक दल या व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति की है जिसमें त्याग का बोझ हमेशा जनता के हिस्से आता है और सुविधाओं का विस्तार सत्ता के हिस्से। जबकि इतिहास गवाह है कि बड़े संकटों में सबसे पहले नेतृत्व ने स्वयं सादगी अपनाई। लाल बहादुर शास्त्री ने देश से उपवास की अपील करने से पहले स्वयं उपवास रखा था। यही नैतिक शक्ति होती है, जो जनता को स्वेच्छा से त्याग करने के लिए प्रेरित करती है। आज आवश्यकता केवल आर्थिक सुधारों की नहीं, बल्कि नैतिक विश्वसनीयता की भी है। जनता तब अधिक सहयोग करती है, जब उसे महसूस होता है कि त्याग केवल उससे नहीं मांगा जा रहा, बल्कि नेतृत्व भी उसी रास्ते पर चल रहा है। फिर भी, राष्ट्रहित सबसे ऊपर है। यदि देश कठिन दौर से गुजर रहा है, तो प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वह संसाधनों की बचत करे।पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग, पानी की बचत, बिजली का विवेकपूर्ण प्रयोग, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण और जरूरतमंदों की सहायता–ये सब केवल व्यक्तिगत आदतें नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारियां हैं। लेकिन साथ ही यह प्रश्न भी जीवित रहना चाहिए कि क्या लोकतंत्र में सादगी केवल जनता के लिए है? क्या शासन और राजनीति का दायित्व केवल उपदेश देना है, उदाहरण प्रस्तुत करना नहीं? जब तक इस प्रश्न का ईमानदार उत्तर नहीं मिलेगा, तब तक देश में 'त्याग' का संदेश भी एक राजनीतिक व्यंग्य की तरह सुनाई देता रहेगा।

8 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर ।

बाड़मेर में सोमवार (11 मई) को दिन का तापमान 47.3 डिग्री तक पहुंच गया। ये इस सीजन का अब तक सबसे ज्यादा टेम्प्रेचर है। मौसम केंद्र के अनुसार देश में बाड़मेर सबसे गर्म शहर रहा। राजस्थान में सोमवार को मौसम के 2 अलग रूप देखने को मिले। पश्चिमी राजस्थान में जहां

लोगों को 47 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी के साथ हीटवेव (लू) की मार झेलनी पड़ी। वहीं, उत्तरी राजस्थान के लोगों को बारिश और ओलावृष्टि से राहत मिली। मंगलवार को भी इसी तरह का मिला-जुला मौसम देखने को मिल सकता है। जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर में तेज गर्मी के साथ हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, जयपुर, भरतपुर, अलवर और सीकर समेत कई जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है।

मंडावर में गूंजेगा वेद विज्ञान का स्वर, विधायक राजेन्द्र ने वेदशाला खोलने का मंच से दिया आश्वासन

ज्योतिषाचार्य पुरुषोत्तम गौड़ की पहल रंग लाई, वैदिक शिक्षा और नक्षत्र विज्ञान से जुड़ेगी नई पीढ़ी।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर मंडावर शहर में आयोजित भव्य समारोह उस समय ऐतिहासिक बन गया, जब मंच से क्षेत्र में वेदशाला स्थापित करने का आश्वासन देने के बाद लोगों के बीच उत्साह की नई लहर दौड़ गई। भारतीय संस्कृति, वैदिक ज्ञान और ज्योतिष विज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में उठे इस कदम को क्षेत्र की बड़ी सांस्कृतिक उपलब्धि माना जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित पुरुषोत्तम गौड़ ने मंच से महवा विधायक राजेंद्र मीणा के समक्ष मंडावर में वेदशाला खुलवाने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता की मूल आत्मा वेदों और प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है, जिसे संरक्षित और व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

ज्योतिषाचार्य गौड़ की इस पहल को गंभीरता से लेते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने मंच से ही मंडावर में जल्द वेदशाला स्थापित करवाने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ों से दूर होती युवा पीढ़ी को वेद, ज्योतिष और भारतीय खगोल विज्ञान से जोड़ना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि वेदशाला केवल एक भवन नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक गणनाओं और नक्षत्र विज्ञान के अध्ययन का प्रमुख

केंद्र बनेगी, जहां क्षेत्र के युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण और अध्ययन का अवसर मिलेगा। विधायक ने भरोसा दिलाया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भूमि आवंटन और बजट स्वीकृति की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा, ताकि जल्द ही मंडावर क्षेत्र वैदिक शिक्षा के नए केंद्र के रूप में पहचान बना सके। घोषणा के बाद समारोह स्थल पर मौजूद विप्र समाज और स्थानीय नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। लोगों ने इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया। कार्यक्रम में ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसडी शर्मा, पूर्व शिक्षा मंत्री शैलेन्द्र जोशी, ब्राह्मण समाज मंडावर अध्यक्ष संतोष शर्मा, राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रजमोहन दास शर्मा, पूर्व अध्यक्ष एमडी शर्मा, युवा अध्यक्ष अवधेश पटेल, हितेश जोशी, विकास उपाध्याय, आकाश उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मांडण में दहेज प्रताड़ना के चलते विवाहिता की हत्या का आरोप, भाई ने दी तहरीर

ससुराल पक्ष पर धारदार हथियार से हत्या का आरोप, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । मांढण थाना क्षेत्र के महतावास गांव में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका के भाई पवन कुमार ने मांडण थाना पुलिस को तहरीर देकर पति सहित ससुराल पक्ष के चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त तहरीर के अनुसार, पवन कुमार की बहन मोनिका और छोटी बहन भारती की शादी 30 नवंबर 2009 को कपिल पुत्र हीरालाल, निवासी महतावास के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति कपिल, ससुर हीरालाल, जेठ और जेठानी मोनिका को दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। कई बार उसके साथ मारपीट भी की गई। मायके पक्ष के लोग समझाइश के लिए कई बार महतावास गए, लेकिन ससुराल पक्ष नहीं माना। तहरीर में बताया गया है कि प्रताड़ना के चलते छोटी बहन भारती को मायके वाले अपने साथ ले आए थे और वह पिछले करीब 7-8 साल से मायके में ही रह रही थी। आरोप है कि पति कपिल शराब का आदी था और आए दिन मोनिका के साथ मारपीट करता था। उस पर कई बार जानलेवा हमला करने का भी प्रयास किया गया। पीड़ित भाई पवन कुमार ने आरोप लगाया कि करीब 2-3 दिन पहले पति कपिल, ससुर हीरालाल, जेठ और जेठानी ने मिलकर उसकी बहन मोनिका की धारदार हथियार से हत्या कर दी। महतावास सरपंच परमानंद यादव, सुरेश शर्मा घिलौट और पूर्व सरपंच बाबूलाल सोनी की देखरेख में मृतका का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। मृतका के भाई ने मांडण थाना पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

मुंडावर के रायपुर-काली पहाड़ी मार्ग पर अवैध मिट्टी दोहन, एलएनटी मशीनों से हो रहा खनन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । मुंडावर उपखंड क्षेत्र के रायपुर-काली पहाड़ी टेंडका मार्ग पर बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी दोहन का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि एलएनटी मशीनों और भारी वाहनों की मदद से बिना अनुमति के लगातार मिट्टी का खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि अवैध खनन के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है और सरकारी राजस्व को भी बड़ी हानि हो रही है। लगातार मिट्टी उठाए जाने से आसपास की जमीन कमजोर हो रही है, जिससे भविष्य में हादसे की आशंका बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध मिट्टी दोहन पर तत्काल रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

जिला स्तरीय योगा ओलंपियाड में विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

सोनम ने स्वर्ण, लोकेश यादव ने रजत पदक जीतकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए बनाई जगह

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

डी.आई.ई.टी. महेन्द्रगढ़ में आयोजित जिला स्तरीय योगा ओलंपियाड में विद्या भारती पब्लिक स्कूल, निजामपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, अभिभावकों और क्षेत्र का नाम रोशन किया। विभिन्न आयु वर्गों में हुई प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिचय देते हुए पदक हासिल किए तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर बड़ी उपलब्धि दर्ज की।प्रतियोगिता में कक्षा 9 की छात्रा सोनम पुत्री मनोज, निवासी गांव निजामपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं कक्षा 10 के छात्र लोकेश यादव पुत्र सत्येन्द्र यादव, निवासी गांव बशीरपुर ने बेहतर योग कौशल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। दोनों विद्यार्थियों के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। इसके अलावा विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा पायल पुत्री अभय सिंह, निवासी गांव निजामपुर ने भी ब्लॉक स्तरीय योगा ओलंपियाड में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया था। पायल के प्रदर्शन की भी विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने प्रशंसा की।

विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव और वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने कहा कि योग केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का राज्य स्तर के लिए चयन विद्यालय के लिए गौरव की बात है और यह साबित करता है कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से विद्यार्थी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय बच्चों की लगन के साथ-साथ योग प्रशिक्षक पुष्पा जी के अथक परिश्रम को भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने नियमित अभ्यास किया, जिसका परिणाम पदक और राज्य स्तरीय चयन के रूप में सामने आया है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी राज्य स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह ने विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और एकाग्रता की सराहना करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेल, योग और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर संस्था के प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, वाइस प्रिंसिपल प्रवीण कुमार शर्मा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी, कोऑर्डिनेटर रितु शर्मा, धर्मवीर, भावेश गोयल सहित समस्त विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थी और अभिभावकगण उपस्थित रहे। सभी ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

मौके पर ही संबंधित विभागों को आवेदन के समयबद्ध समाधान के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा। एसडीएम आकाश शर्मा ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान क्षेत्र के नागरिकों की विभिन्न शिकायतों को सुना। इस दौरान उन्होंने शासन और जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करते हुए प्राप्त आवेदनों को मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेज कर उनके स्थायी निवारण हेतु जरूरी दिशा निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे ये शिविर आमजन के लिए अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं, क्योंकि यहाँ एक ही छत के नीचे समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनहित के कार्यों को सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक आवेदन का निपटारा पूरी संवेदनशीलता के साथ करें ताकि किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपनी किसी भी विभागीय या प्रशासनिक समस्या के समाधान के लिए इन शिविरों का अधिकतम लाभ उठाएं, जहाँ प्रशासन की पूरी टीम जनमानस की सहायता के लिए तत्पर रहती है। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित परिवार पहचान पत्र, पेंशन, बिजली, पेयजल, राजस्व तथा अन्य नागरिक सेवाओं से जुड़े आवेदन एवं शिकायतें सुनी जाती हैं, जिनका संबंधित विभाग द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया जाता है।

माय भारत की ओर से धौलेड़ा स्कूल में मनाया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

नवाचार के माध्यम से सतत भविष्य निर्माण का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धौलेड़ा में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी इंजीनियर प्रशांत कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीक और नवाचार के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में तकनीकी योगदान के लिए प्रेरित करना है। आज के डिजिटल युग में तकनीक और नवाचार ही विकास की आधारशिला हैं। यदि युवा तकनीक का सदुपयोग करें तो वे समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम के प्रेरक वक्ता के रूप में कौन बनेगा करोड़पति फेम एवं गोल्ड मेडलिस्ट सचिन अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और सीखने की जिज्ञासा बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक का सही उपयोग व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस मौके पर जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने युवाओं को माय भारत पोर्टल से जुड़कर अपनी प्रतिभा और ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति तकनीक और नवाचार के माध्यम से देश के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। विद्यालय की प्राचार्या अनिता दहिया ने इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। डॉ. पंकज गौड़ ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अनुसंधान और नवाचार के प्रति गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 'नवाचार के माध्यम से एक सतत भविष्य को सशक्त बनाना' विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से विषय को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन रवि कुमार ने किया। आयोजन को सफल बनाने में माय भारत स्वयंसेवकों हर्ष, सोमदत्त एवं अशोक का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक सत्र का लाभ उठाया।

जिला में धूमधाम से मनाया गया सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, शिव स्तुति की रही गूंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ के तट से दिया दुनिया को संदेश

कुरुक्षेत्र से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया संबोधित

जिला स्तरीय कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश यादव पहुंचे मुख्य अतिथि के तौर पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

ऐतिहासिक नगरी नारनौल सहित जिला महेंद्रगढ़ में आज शिवमय और भक्ति के रंग में सराबोर रहा। श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण-प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का भव्य आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आगाज सुबह श्री गोपाल गौशाला स्थित श्री श्याम मंदिर से एक विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ। उसके बाद मोडावाला मंदिर में जलाभिषेक हुआ। इस मौके पर नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस मौके पर लाइव टेलीकास्ट के जरिए सोमनाथ के तट से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को संदेश दिया। वहीं इससे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से संबोधित किया। सबसे पहले सुबह उपायुक्त अनुपमा अंजली ने स्वयं पवित्र कलश उठाकर इस यात्रा का नेतृत्व किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक दीपक भी मौजूद रहे। शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई यह कलश यात्रा जब मोडावाला मंदिर पहुंची, तो समूचा वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर नागरिकों ने सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई विशेष प्रदर्शनी को देखा। इस प्रदर्शनी में सोमनाथ के ऋग्वैदिक काल से लेकर वर्तमान तक के एक हजार वर्षों के संघर्ष और पुनरुत्थान की जीवंत गाथा को दिखाया गया। प्रदर्शनी में पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सतयुग के स्वर्ण मंदिर से लेकर कलयुग के वर्तमान पाषाण मंदिर तक के सफर को बखूबी दर्शाया गया। कैलाश महामेरु प्रासाद शैली की वास्तुकला और सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्पों को दर्शाते चित्रों ने दर्शकों में राष्ट्र गौरव की भावना का संचार किया। इस मौके पर सोमनाथ पर्व से संबंधित बेहतरीन रंगोली भी तैयार की गई। कार्यक्रम के दौरान स्कूली और कॉलेज की सांस्कृतिक टीमों ने शिव तांडव और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की, वहीं युवाओं ने सोशल मीडिया पर #ChaloChaleinSomnath और #SomnathSwabhimanParv जैसे हैशटैग्स के माध्यम से इस पावन उत्सव को डिजिटल विश्व तक पहुंचाया। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, बीजेपी के जिला अध्यक्ष डॉ यतेंद्र राव, जेपी सैनी, किशन बोहरा, सुरेश शर्मा के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मजदूर के बेटे ग्रुप डी के कर्मी ने दहेज रहित विवाह कर समाज को दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली खंड के गांव धन्नौदा निवासी धर्मबीर ने अपने पुत्र की दहेज रहित विवाह कर समाज को अनुकरणीय संदेश दिया है। दहेज में शगुन के रूप में एक रुपया लेकर दुल्हन ही दहेज का उदाहरण प्रस्तुत किया है। दीपु राजकीय उच्च विद्यालय पाली में ग्रुप डी के पद पर कार्यरत है जबकि उनकी दुल्हन माफी हेल्थ विभाग में लिपिक पद पर कार्यरत है। लडक़े के पिता मजदूरी कर अपने लडक़े को शिक्षित किया है। जब दीपु को दुल्हन पक्ष ने सोने की अंगूठी के शगुन व दूसरे दहेज के लिए आगे आये तो दीपु ने पंचायत में खड़े होकर हाथ जोड़ कर किसी भी प्रकार के दहेज को अस्वीकार कर दिया। उसके बाद पंचायत में बैठे मौजिज लोगों ने लडक़े के इस साहसिक कदम की प्रशंसा की। शिक्षा विभाग में कार्यरत ग्रुप डी कर्मी दीपु ने बताया कि उसने प्रारंभ से निर्णय लिया था कि जब वह विवाह करेगा तो दहेज रहित होगा। उसी के अनुरूप में सोनीपत जिले के सांदल कलां में उसकी बारात गयी तथा बैगर दहेज विवाह समपन्न हुआ। दहेज रहित विवाह करने पर दंपति को अनेक गणमान्य लोगों ने आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। आशीर्वाद देने वालों में गांव के सरपंच रिंकू यादव, सूबेदार ओमकंवार, थानेदार सुरेश कुमार, डा. रामस्वरूप, प्राध्यापक सुरेंद्र बालोदिया, एएसआई राजेश कुमार, प्रशांत कुमार, शेरसिंह महाशय, हेड मास्टर ओमप्रकाश, मास्टर दिनेश सोनी, मास्टर नंदलाल, प्रवक्ता डा. अश्विनी, नवीन मास्टर, सुरेश ड्राइवर, उमेद सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आस्था, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक : अमरपाल राणा

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा, विभागीय प्रदर्शनी ने लोगो को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारत की सनातन संस्कृति, आस्था, स्वाभिमान एवं गौरवशाली इतिहास को समर्पित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर के दुर्गा मंदिर परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बोर्ड के चेयरमैन अमरपाल राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रतिया विधायक जरनैल सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, डीसी डॉ. विवेक भारती, एडीसी अनुराग ढालिया, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि चेयरमैन अमरपाल राणा ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2026 भारतीय संस्कृति और स्वाभिमान के इतिहास का अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष है, क्योंकि इस वर्ष सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा स्वतंत्र भारत में मंदिर के पुनर्निर्माण एवं उद्घाटन के 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, सनातन संस्कृति और अटूट आस्था का प्रतीक है। अमरपाल राणा ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि सोमनाथ मंदिर को अनेक बार ध्वस्त किया गया, लेकिन हर बार करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, त्याग और समर्पण ने इसे पुनः स्थापित किया।

किशोरपुरा पंचायत में ग्राम रथ यात्रा अभियान का आयोजन, विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की किशोरपुरा पंचायत में सोमवार को ग्राम रथ यात्रा अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने सहभागिता करते हुए ग्रामीणों से संवाद किया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा एवं ग्राम रथ यात्रा झुंझुनूं की प्रभारी संतोष अहलावत ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन के हित में विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ यात्रा अभियान का उद्देश्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में भाजपा सुलताना मंडल अध्यक्ष राजकुमार जांगिड़, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील लांबा, भाजपा प्रवक्ता राजकुमार मुंड, हीरेंद्र जी (सरपंच प्रतिनिधि, किठाना), पालाराम जी, बालजी जांगिड़, प्रताप जी (सरपंच), बीडीओ विनिशा राजपाल तथा महेंद्र सेन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

फतेहाबाद के बहुचर्चित योगेश गोस्वामी हत्याकांड में बाप व दो बेटों को जिला न्यायालय ने सुनाई उम्र कैद

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । शहर के चर्चित योगेश गोस्वामी हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल की अदालत ने फैसला सुनाते हुए हत्या के दोषी पाए गए पिता व उसके दो पुत्रों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में विनोद उर्फ विनोदी, उसके पुत्र अरुण उर्फ काकू व गुलशन उर्फ कन्नू शामिल हैं। उम्रकैद के साथ-साथ अदालत ने तीनों दोषियों पर 16,500-16,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. सुनील कुमार खिच्ची, उप निदेशक अभियोजन, फतेहाबाद तथा श्री देवेंद्र मित्तल, जिला न्यायवादी, फतेहाबाद ने बताया कि यह खूनी वारदात 23 मई 2022 की रात को रामनिवास मोहल्ला में हुई थी। मृतक योगेश गोस्वामी के भाई नवीन कुमार की शिकायत पर पुलिस ने 24 मई 2022 को आईपीसी की धारा 302, 323, 324, 506 और 34 के तहत केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता नवीन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनके भतीजे सिद्धार्थ के साथ आरोपियों ने बाजार से घर लौटते समय झगड़ा किया था। जब योगेश गोस्वामी, उनकी पत्नी पूनम और सिद्धार्थ उलाहना देने आरोपियों के घर जा रहे थे, तो गली में ही दोषियों ने उन्हें घेर लिया। दोषियों ने लाठियों और धारदार चाकूनुमा छुरे से परिवार पर हमला बोल दिया। इस दौरान योगेश गोस्वामी पर चाकू से कई वार किए गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसकी भाभी पूनम व भतीजे सिद्धांत को भी चोटे मारी गई थी। शोर मचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजन योगेश को तुरंत नागरिक अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से उपजिला न्यायवादी अरुण बंसल व नवीन कुमार, सहायक जिला न्यायवादी ने प्रभावी पैरवी की। डॉ. सुनील कुमार खिच्ची, उप निदेशक अभियोजन, फतेहाबाद तथा श्री देवेंद्र मित्तल, जिला न्यायवादी, फतेहाबाद ने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी, विनोद की माता धन्नत, की अदालती कार्यवाही के दौरान मृत्यु हो गई थी।

कार्यालय- रा. उ. मा. विद्यालय सारी, प. स. चिड़ावा, झुन्झुनूं

क्रमांक :- 15 दिनांक 11.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 02/06/2026 को प्रात: 11.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 286950 रू. (दौ लाख छियासी हजार नौ सौ पचास रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
रा. उ. मा. विद्यालय सारी प. स. चिड़ावा, झुन्झुनूं

अक्षर पटेल और मिलर के अर्धशतक, स्टार्क-माधव को 2-2 विकेट

पंजाब किंग्स की लगातार चौथी हार, अब दिल्ली कैपिटल्स ने दिया जोरदार झटका

● धर्मशाला

आईपीएल में सोमवार को रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया। यह पंजाब की लगातार चौथी हार रही। धर्मशाला में टॉस जीतकर दिल्ली ने पहले गेंदबाजी चुनी। पंजाब ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, लेकिन दिल्ली ने 19वें ओवर में 7 विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ दिल्ली के 12 मैचों में 10 अंक हो गए हैं, जबकि पंजाब 11 मुकाबलों में 6 जीत और 13 अंक के साथ तालिका में है।

210 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब रही। पावरप्ले में ही केएल राहुल (9), अभिषेक पोरेल (5) और साहिल परख (13) पवेलियन लौट गए। इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स भी 12 रन बनाकर रन आउट हुए। मुश्किल स्थिति में कप्तान अक्षर पटेल ने 30 गेंदों में 56 रन की तेज पारी खेली। डेविड मिलर ने 28 गेंदों में 51 रन बनाकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 64 रन जोड़े।

आखिरी ओवरों में आशुतोष शर्मा ने 10 गेंदों में 24, माधव तिवारी ने 8 गेंदों में 18 और आकिब नबी ने 2 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद वापसी की। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि बेन ड्वार्शुइस और मार्कस स्टोयनिस को 1-1 विकेट मिला।

पंजाब के लिए श्रेयस अय्यर ने 36 गेंद में नाबाद 59 और प्रियांश आर्या ने 33 गेंद में 56 रन बनाए। इसके अलावा कूपर कोनोली ने 38 रन जोड़े। दिल्ली की ओर से मिचेल स्टार्क और माधव तिवारी ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मुकेश को 1 विकेट मिला।

हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच अहम मुकाबला आज

नई दिल्ली आरएनएन। आईपीएल 2026 में मंगलवार को अहमदाबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनोंटीमों के 14-14 अंक हैं और वे अंक तालिका में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। बेहतर रन रेट के चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शीर्ष पर बनी हुई है। आईपीएल में दोनों टीमों के बीच अब तक छह मुकाबले हुए हैं, जिनमें गुजरात टाइटंस ने पांच और सनराइजर्स हैदराबाद ने एक मैच जीता है। अहमदाबाद में खेले गए तीनों मुकाबलों में गुजरात ने जीत दर्ज की है। हाइनरिक क्लासन 494 रन के साथ इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और इस मैच में 500 रन पूरे कर सकते हैं।

डेथ ओवरों में उन्हें रोकने की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा पर होगी। सिराज ने क्लासन को तीन टी20 पारियों में दो बार, जबकि रबाडा ने छह पारियों में तीन बार आउट किया है। हालांकि क्लासन ने सिराज के खिलाफ 175 और रबाडा के खिलाफ 146 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। राशिद खान भी क्लासन को दो बार आउट कर चुके हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टाफ ने डगआउट में चलाया फोन

नई दिल्ली, आरएनएन। आईपीएल 2026 में सीएसके ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया, लेकिन मैच से ज्यादा चर्चा डगआउट में दिखे मोबाइल फोन की हो रही है। लखनऊ के सपोर्ट स्टाफ का सदस्य डगआउट में फोन इस्तेमाल करते हुए देखा गया, जबकि बीसीसीआई के नियमों के तहत ऐसा सख्त बैन है। आईपीएल में खिलाड़ियों और स्टाफ को पीएमओए में मोबाइल, स्मार्टवॉच या अन्य डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। नियम तोडने पर बीसीसीआई की एसीयू जांच कर सकती है। सोशल मीडिया पर फैन्स सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी सीजन आरआर के मैनेजर रोमी भिंडर भी फोन इस्तेमाल करते पकड़े गए थे और 1 लाख रुपये जुर्माना हुआ था। बीसीसीआई ने अब सभी टीम्स को नई एडवाइजरी जारी की है, लेकिन इसका असर अभी दिखाई नहीं दे रहा।

एंडी फ्लावर पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, आरएनएन। आईपीएल 2026 में आरसीबी के हेड कोच एंडी फ्लावर पर बीसीसीआई ने जुर्माना लगाया है। रायपुर में 10 मई को एमआई के खिलाफ मैच के दौरान अंपायर से बहस और अपशब्दों के इस्तेमाल पर उन्हें मैच फीस का 15 प्रतिशत देना होगा। 18वें ओवर में चौथे अंपायर से तीखी बहस करते हुए उनके शब्द ब्रॉडकास्ट माइक में सुनाई दिए। आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 के तहत यह लेवल-1 का अपराध माना गया। फ्लावर ने गलती स्वीकार कर जुर्माना मान लिया। बीसीसीआई का रुख स्पष्ट है- मैच के दौरान अनुशासन और अंपायर के सम्मान के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी।

समत्व भवन में सीएम से मिले कपिल देव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में प्रसिद्ध क्रिकेटर कपिल देव ने सौजन्य भेंट की।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में टीम इंडिया की बादशाहत

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को पछाड़ा

● दुबई

आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में भारत नंबर-1 बना हुआ है, लेकिन न्यूजीलैंड अब सिर्फ 5 अंक पीछे है। टीम इंडिया के 118 रेटिंग अंक हैं, जबकि न्यूजीलैंड के 113 और ऑस्ट्रेलिया के 109 अंक हैं।

साउथ अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन कर पाकिस्तान (98 अंक) को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर कब्जा किया। श्रीलंका, अफगानिस्तान, इंग्लैंड, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज क्रमशः 6 से 10वें स्थान पर हैं। यह रैंकिंग 2027 वर्ल्ड कप के लिए महत्वपूर्ण है। टॉप-8 टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी, जबकि मेजबान साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे पहले ही एंट्री पा चुके हैं। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़ 11वां, यूएसई 13वां और यूएई ने 19वां स्थान हासिल किया।

मप्र सीनियर महिला टीम की चांदी प्रथा ने साधा कांस्य पर निशाना

24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप

● भोपाल

मप्र राज्य शूटिंग अकादमी भोपाल में आयोजित 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल इवेंट्स) में सोमवार को 50 मीटर राइफल प्रोन (महिला) स्पर्धाओं का रोमांचक आयोजन हुआ। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर की महिला निशानेबाजों ने अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अकादमी की कु. प्रथा राठौड़ ने 617.6 अंक के साथ जूनियर महिला वर्ग में कांस्य पदक जीता। उनके संतुलित और प्रभावशाली प्रदर्शन ने अकादमी और प्रदेश का मान बढ़ाया।

सीनियर महिला टीम स्पर्धा में मध्यप्रदेश ने 1853.1 अंक हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। टीम में एशियन गेम्स पदक विजेता आशी चौकसे, अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सुनिधि चौहान और नूपुर कुमरावत शामिल थीं। नूपुर ने व्यक्तिगत स्पर्धा में 624.3 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों, रेलवे, सेना और अर्धसैनिक बलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

खेल मंत्री सारंग खिलाड़ियों को दी बधाई

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव राजीव भाटिया ने विजेताओं को पदक प्रदान कर सराहा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरवान्वित करते रहेंगे।

भोपाल में भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का रोमांच 15 मई से...

● भोपाल

चार मैचों की अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में भोपाल में आयोजित भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज के लिए दोनों देशों की जूनियर टीमें सोमवार को राजधानी पहुंचीं। राजा भोज एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ का विभाग के अधिकारियों ने पारंपरिक स्वागत किया और उज्ज्वल प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

चार मैचों की यह अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 15 मई से 20 मई तक उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित होगी। श्रृंखला पुरुष और महिला अंडर-18 टीमें आमने-सामने होंगी और यह आगामी एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुरुष वर्ग के मुकाबले 15, 17, 18 और 20 मई को होंगे। महिला मैच भी समान तिथियों में आयोजित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के 10 खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित हैं। पुरुष टीम में आयुष रजक, अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ बेन और गाज़ी खान शामिल हैं। महिला टीम में स्नेहा दावड़े, महक परिहार, नम्मी गीताश्री और नौशीन नाज़ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

घरेलू मैदान पर खेलने से खिलाड़ियों में उत्साह बना हुआ है। प्रदेश में लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश देश के प्रमुख खेल केंद्रों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

यह प्रदेश में खेल अधोसंरचना का बढ़ता प्रभाव : खेल मंत्री

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने खिलाड़ियों और कोचों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह श्रृंखला प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। सरकार विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है और ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे। इस महीने अंत में जापान के काकामिगाहारा में अंडर-18 एशिया कप होगा, जिसमें एशिया की शीर्ष जूनियर टीमें हिस्सा लेंगी और यह युवाओं के लिए अहम मंच है।

बार्सिलोना ने जीता 29वां ला लीगा फुटबॉल खिताब

● नई दिल्ली / राज न्यूज नेटवर्क

बार्सिलोना ने एल क्लासिको में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा का 29वां खिताब अपने नाम कर लिया। यह जीत सीजन के तीन मैच बाकी रहते आई, जिसमें मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए। इस जीत के साथ बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया है, जिसे रियल मैड्रिड पार नहीं कर सकती।

भावुक जीत : हेड कोच के पिता को समर्पित

गोल के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने हेड कोच हंसी फ्लिक को गले लगाया। कोच के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया। मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था। हालांकि बार्सिलोना उन्हें 28 मिलियन पाउंड में स्थायी रूप से खरीदेगा या नहीं, इस पर अभी सस्पेंस है। रशफोर्ड ने कहा, मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता।

खुलासा जर्मन मॉडल लिजलाज का एक इंटरव्यू में खुलासा, कहा- कुछ पत्रकारों ने थी उन्हें पेशकश

विराट के खिलाफ बयान देने के लिए ऑफर हुए पैसे

● नई दिल्ली

जर्मन मॉडल लिजलाज ने दावा किया है कि विराट कोहली द्वारा कथित तौर पर उनकी फोटो लाइक किए जाने के बाद कुछ पत्रकारों ने उन्हें क्रिकेटर के खिलाफ गलत बयान देने के लिए पैसे ऑफर किए। फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में लिजलाज ने बताया कि पोस्ट लाइक होने के बाद उन्हें कई मैगजीन और मीडिया हाउसेस से लगातार कॉल आने लगे।

उन्होंने कहा, मैं इससे बहुत खुश थी और थोड़ा इमोशनल भी हो गई थी, लेकिन मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि अलग-अलग मैगजीन से इतने सारे कॉल आएंगे। लिजलाज ने कहा कि कुछ लोग उन पर दबाव डालते थे कि विराट के बारे में झूठ बोलें, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वह ऐसा नहीं करेंगी। कुछ पत्रकारों ने मुझे पैसे ऑफर किए ताकि मैं विराट के बारे में गलत बातें कहूं, लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी? वह मेरे फेवरेट क्रिकेटर हैं। मैं पैसों के लिए उनके बारे में गलत बातें नहीं बोलूंगी।

स्क्रीनशॉट और वायरल पोस्ट

लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने पिछले महीने इंस्टाग्राम पर स्क्रीनशॉट शेयर किया था, जिसमें दावा किया गया कि विराट के आधिकारिक अकाउंट से उनकी पुरानी फोटो लाइक की गई। अद्वैत ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा था- जब गोट विराट कोहली आपकी पोस्ट लाइक कर दें मैं और लिजलाज अभी भी यकीन नहीं कर पा रहे हैं।

विराट कोहली की सफाई

पिछले साल मई 2025 में विराट ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की फोटो लाइक की थी। इस पर उन्होंने कहा था कि यह तकनीकी एल्गोरिदम की गलती थी और उनका कोई इरादा नहीं था। विराट ने कहा, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया बेवजह बातें न बनाएं। इस विवाद में लिजलाज ने साफ कर दिया कि वह पैसों या दबाव में आकर झूठ नहीं बोलेंगी और विराट उनके फेवरेट क्रिकेटर बने रहेंगे।

डब्ल्यूएफआई ने मेरी लीव को गलत समझा : विनेश

● नई दिल्ली

रेसलर विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के कारण बताओ नोटिस पर सोशल मीडिया के जरिए जवाब दिया। विनेश ने कहा कि उन्हें 1 जनवरी 2026 से ही खेलने की अनुमति मिल चुकी है, लेकिन डब्ल्यूएफआई ने उनकी लीव को गलत तरीके से समझा।

उन्होंने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के गोंडा में हो रहे सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पूरी तरह से पात्र हैं और अपना रजिस्ट्रेशन भी पूरा कर लिया है। विनेश ने स्पष्ट किया कि उन्होंने डोपिंग नियमों का उल्लंघन नहीं किया।

नर्मदापुरम ने अंकुर क्रिकेट एकेडमी को किया पराजित

अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता

● भोपाल / खेल संवाददाता

स्वर्गीय अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में नर्मदापुरम ने अंकुर एकेडमी को पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अंकुर 30.4 ओवर में 118 रन पर ऑल आउट हो गई। नर्मदापुरम की ओर से पवन निर्वाणी ने चार और सौरभ वर्मा ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए नर्मदापुरम ने 11.1 ओवर में चार विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। टीम के गौतम बाराती ने 50 रन बनाए। अंकुर की ओर से हिमांशु मेवाड़ा ने दो और रुद्र प्रताप सिंह ने एक विकेट लिया। अंकुर के अमित शुक्ला ने सर्वाधिक 65 रन बनाए, जबकि कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सका। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पवन निर्वाणी को दिया गया।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
458 = 7	566 = 7
228 = 2	270 = 9
शुभांक	
दिन	रात
588 = 1	899 = 6
770 = 4	579 = 1
भाग्यांक	
3 5	7 9

www.kalyangame.com

राम चरण की पेड्डी ने विदेश में रचा इतिहास

प्रीमियर से पहले ही महज 4 घंटे में बना दिया ये तगड़ा रिकॉर्ड

पेड्डी साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है. इस अपकमिंग फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर ने लीड रोल प्ले किया है. पेड्डी को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट पहले ही पीक पर है. वहीं इस फिल्म ने 4 जून 2026 को अपनी वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले नॉर्थ अमेरिका में अपनी प्री-सेल्स के साथ ही इतिहास रच दिया है. बता दें कि पेड्डी के मेकर्स ने हाल ही में कंफर्म किया था कि इस फिल्म का फाइनल एडिट लॉक हो चुका है. ये फिल्म 3 जून 2026 को अपने वर्ल्डवाइड प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसके बाद 4 जून को इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा. अपने ग्रैंड प्रीमियर से पहले ही, पेड्डी ने रिकॉर्ड तोड़ प्री-सेल्स के साथ एक कमाल कर दिया है. दरअसल नॉर्थ अमेरिका में पेड्डी के डिस्ट्रीब्यूशन को देख रहे प्रत्यंगिरा सिनेमाज की रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म को नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ फिल्म ने महज चार घंटों के भीतर $100य का आंकड़ा पार कर लिया, जो इतने कम समय में किसी भी भारतीय फिल्म की टिकट सेल के लिए एक नया बेंचमार्क है. इस उपलब्धि की सबसे खास बात ये है कि फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है. यह जबरदस्त रिस्पॉन्स राम चरण के लिए फैंस की दीवानगी और बुची बाबू सना के ग्रैंड विजन के प्रति लोगों के बढ़ते एक्साइटमेंट को दिखाया है. बता दें कि पेड्डी नॉर्थ अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में एक बड़े लेवल पर रिलीज होने के लिए तैयार है. पेड्डी को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि मेकर्स फिल्म से राम चरण के दमदार ट्रांसफॉर्मेशन वाले स्ट्राइकिंग पोस्टर्स और इंटेंस झलकियां लगातार शेयर कर रहे हैं. इस बढ़ते हाइप में फिल्म का म्यूजिक भी चार चांद लगा रहा है, जो पहले ही चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन चुका है. ए.आर. रहमान द्वारा कंपोज किया गया पहला सिंगल, चिकीरी चिकीरी, अपनी जबरदस्त एनर्जी की वजह से तुरंत लोगों की जुबान पर चढ़ गया और सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है. इसके दूसरे गाने रई रई रा रा ने भी अपनी शानदार कोरियोग्राफी और विजुअल्स से एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. इसे यूट्यूब पर 66 मिलियन से ज़्यादा व्यूज मिल चुके हैं. बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नज़र आएंगे. वेंकट सतीश किलारू के बैनर वृद्धि सिनेमाज और माइथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से ये फिल्म बनी है. धुरंधर और राजा शिवाजी की बड़ी सफलता के बाद, जियो स्टूडियोज इसे नॉर्थ इंडिया में रिलीज करेगा. फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 3 जून 2026 को होगा, जिसके बाद 4 जून 2026 को यह दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

सच से पर्दा उठाती है संजय दत्त की आखिरी सवाल, फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में बनी है. फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में भी दस्तक देने वाली है. इसमें संजय दत्त का एक अलग और दमदार अवतार देखने के लिए मिल रहा है. तमाम चर्चाओं के बीच आखिरी सवाल का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जो बेहद ही कमाल का है. इसमें आरएसएस और बाबरी मस्जिद को लेकर कई सवालों के जवाब देखने के लिए मिलते हैं. संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल के ट्रेलर की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आपातकाल के ऐलान से शुरू होता है, जिसके बाद कहानी आगे बढ़ती है और बाबरी मस्जिद विध्वंस पर आ जाती है, जिसमें आरएसएस का नाम आता है और यहां सवाल खड़ा होता है कि जब आरएसएस का नाम समाज सेवा शांति है तो बाबरी मस्जिद पर क्यों चढ़े? फिल्म के ट्रेलर में संजय दत्त का दमदार रोल होता है, जो एक प्रोफेसर के रोल में होते हैं. वह आरएसएस के खिलाफ उठ रहे सवालों के बेबाकी से जवाब देते नजर आते हैं. इसमें लेफ्ट और राइट विंग्स को भी दिखाया गया है. संजय दत्त के साथ ही समीरा रेड्डी और अमित साध जैसे कलाकार भी अहम रोल में नजर आते हैं और एक दमदार भूमिका में दिखाई देते हैं. ट्रेलर देखने के बाद ये एक कमाल की फिल्म लगती है. आपको बता दें कि फिल्म आखिरी सवाल को सेंसर बोर्ड की ओर से भी हरी झंडी मिल चुकी है. यह फिल्म सीबीएफसी के जांच के घेरे में फंस गई थी, जिसकी वजह से इसकी रिलीज में देरी हुई. हालांकि, बाद में सेंसर बोर्ड से फिल्म को क्लियरेंस मिल गया था. इसके साथ ही अगर बात की जाए कि आखिरी सवाल को सिनेमाघरों में कब रिलीज किया जाएगा तो ये फिल्म 15 मई 2026 को थिएटर में दस्तक देगी. फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में बात की जाए तो इसमें संजय दत्त के साथ ही समीरा रेड्डी, अमता साध और अन्य कलाकार अहम रोल में हैं. आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है.

राजा शिवाजी ने 7वें दिन भी मचाई धूम, 50 करोड़ के हुई पार

रितेश देशमुख की ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी मराठी सिनेमा के लिए बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर इतिहास रच रही है. महाराष्ट्र में काफी प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. शानदार ओपनिंग के बाद इसने वीकडेज में भी धमाकेदार कमाई की है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है? राजा शिवाजी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो चुका है. इसकी ओपनिंग काफी जबरदस्त रही थी और इसने ओपनिंग वीकेंड भी भी अच्छी कमाई की लेकिन वीकडेज में इसके कलेक्शन में काफी उतार-चढ़ाव बना रहा है, फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है. हालांकि गुरुवार को इसकी कमाई में गिरावट आई है लेकिन फिर भी इसने एक मील का पत्थर पार कर लिया है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो राजा शिवाजी ने रिलीज के पहले दिन 11.35 करोड़ कमाए थे. दूसरे दिन इस फिल्म ने 10.55 करोड़, तीसरे दिन 12 करोड़, चौथे दिन 5.60 करोड़ 5वें दिन 4.90 करोड़ और छठे दिन 4.25 करोड़ की कमाई की है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन 4 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म के 7 दिनों का कुल कलेक्शन अब 52.60 करोड़ रुपये हो गया है. राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में 52 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है. के साथ ये अपने आधे बजट से ज्यादा वसूल कर चुकी है. बता दें कि इसे 75 करोड़ की लागत में बनाया गया है. ऐसे में अपना पूरा बजट वसूलने से ये फिल्म 23 करोड़ रुपये दूर है. उम्मीद है कि दूसरे वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी और ये अपनी लागत वसूलने के करीब पहुंच जाएगी और दूसरे हफ्ते में तो ये हर हालत में अपना पूरा बजट वसूल कर जाएगी. वैसे इस फ्राइडे सिनेमाघरों में कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हुई है जिसके चलते बॉक्स ऑफिस पर कंप्टीशन कम है और इस कारण राजा शिवाजी के पास कमाई करने का पूरा मौका है. साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन का पहले हफ्ते में सूपड़ा साफ होते दिख रहा है। इसने 7वें दिन सिर्फ 19 लाख रुपये कमाए हैं। कारोबारी दिनों में फिल्म लगातार सिर्फ लाखों में कारोबार करती आई है। फिल्म ने अब तक कुल 4 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला ने रिलीज के 21वें दिन 1.75 करोड़ कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 150 करोड़ रुपये हो गया है।

2026 की यह सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली टॉप फिल्म बन गई है. इस फ्रैंचाइजी ने खुद भी इतिहास रच दिया है. धुरंधर सीरीज़ के कुल कलेक्शन ने अब दुनिया भर में 3,100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, और इसके साथ ही यह दुनिया भर में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय फिल्म फ्रैंचाइजी बन गई है.

रणवीर की स्पाई थ्रिलर बनी दूसरी सबसे कमाऊ भारतीय फिल्म

रणवीर सिंह और आदित्य धर की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज ने इतिहास की किताबों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिखवा लिया है, क्योंकि उनकी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में अपने 50 दिन सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं और एक ऐतिहासिक थिएटर रन के साथ बॉक्स ऑफ़िस पर अपना दबदबा बनाए हुए है. रिलीज के 50 दिन पूरे होने के साथ ही, इस स्पाई थ्रिलर फिल्म ने अपने नाम एक और नई उपलब्धि जोड़ ली है. धुरंधरः द रिवेंज ने 7 मई को बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे किए हैं. इन 50 दिनों में रणवीर की फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. किसी भी बॉलीवुड फिल्म को धुरंधर 2 का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बॉक्स ऑफिस पर कई जबरदस्त छक्के और चौके लगाने होंगे. हालांकि हफ्तों बाद फिल्म की कमाई की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई, फिर भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार गति बनाए रखने में कामयाब रही है. धुरंधर 2 ने अपनी थिएट्रिकल यात्रा की शुरुआत पहले हफ्ते में 674.17 करोड़ रुपये की ज़बरदस्त कमाई के साथ की. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 263.65 करोड़ रुपये और कमाए, और उसके बाद तीसरे हफ्ते में 110.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. आने वाले हफ्तों में भी यही सिलसिला जारी रहा, और चौथे हफ्ते में फिल्म ने 54.70 करोड़ रुपये की कमाई की. पांचवें, छठे और सातवें हफ्ते में क्रमशः 19.52 करोड़ रुपये, 12.45 करोड़ रुपये और 5.58 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई के साथ, फिल्म ने अपनी कुल कमाई को एक बहुत बड़े आंकड़े तक पहुंचा दिया. हाल ही में बने एक नए रिकॉर्ड के साथ, इस फिल्म ने बाहुबली 2ः द कंक्लूजन (1788.60 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ते हुए, दुनिया भर में किसी भी भारतीय फिल्म की कुल कमाई के मामले में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है. यह फिल्म अब दंगल (1968.03 करोड़ रुपये) के ठीक पीछे है. सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर 2 ने दुनिया भर में 1791.55 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है, यह सचमुच इस फिल्म के लिए एक असाधारण उपलब्धि है कि इसने भारत में इस साल की 1000 करोड़ रुपये के नेट कलेक्शन का आंकड़ा पार करने वाली पहली हिंदी फिल्म बनकर इतिहास रच दिया है.

करिश्मा तन्ना ने प्रेग्नेंसी में दिखाया ग्लैमरस अवतार, मोनोकिनी पहन दिए पोज

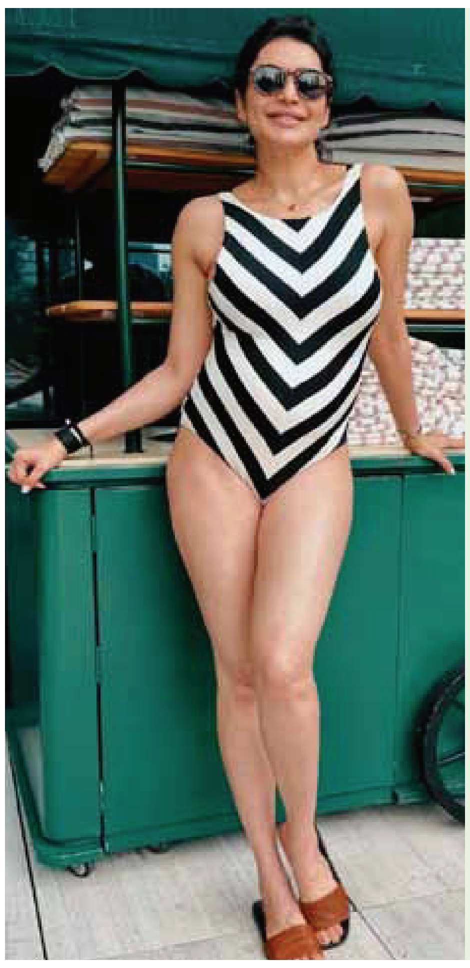

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने हाल ही में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर की हैं. फोटोज में वो काफी ग्लैमरस लुक में नजर आईं. एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी फर्स्ट प्रेग्नेंसी एंजॉय कर रही हैं. वो अक्सर बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. लुक की बात करें, तो करिश्मा ब्लैत एंड व्हाइट मोनोकिनी पहने नजर आई. गॉग्लस लगाए वो काफी ब्यूटीफुल दिख रही है. करिश्मा ने कई पोज भी दिए. तस्वीरों में उनका बेबी बंप भी नजर आ रहा है. फैंस तस्वीरों पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. करिश्मा ने इससे पहले ब्लैक मोनोकिनी में भी कई फोटोज शेयर की थी. सेल्फी लेते हुए वो अपनी बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रहीं थी. बता दें, एक्ट्रेस इस साल अगस्त में अपने पहले बेबी का वेलकम करने वाली हैं. उन्होंने अपने पति के साथ फोटोज शेयर कर फैंस के साथ ये गुड न्यूज शेयर की. करिश्मा तन्ना ने साल 2022 में वरुण बंगेरा के साथ शादी की थी. अब ये कपल शादी के चार साल बाद पेरेंट्स बनने वाले हैं.

लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च में होता है अंतर; जानिए इन तीनों के फायदे

शिमला मिर्च एक ऐसी सब्जी है, जो कई तरह से खान-पान में इस्तेमाल होती है। लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च के बीच का अंतर जानने के बाद आप अपने भोजन में इनका सही उपयोग कर पाएंगे। लाल शिमला मिर्च पकी हुई होती है और इसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। हरी शिमला मिर्च कच्ची होती है और इसमें कम कैलोरी होती हैं। पीली शिमला मिर्च मीठी होती है और इसका स्वाद भी अन्य शिमला मिर्च से अलग होता है।

लाल शिमला मिर्च के फायदेः लाल शिमला मिर्च में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लाल शिमला मिर्च का सेवन त्वचा के लिए भी लाभकारी हो सकता है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करने और उसे मुलायम बनाने में मदद करती है।

हरी शिमला मिर्च के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभः हरी शिमला मिर्च में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद कर सकता है। इसमें विटामिन-सी और विटामिन-के की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। इसके अलावा हरी शिमला मिर्च में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और जलन को कम कर सकते हैं। हरी शिमला मिर्च का सेवन वजन प्रबंधन में भी सहायक हो सकता है, क्योंकि इसमें कम कैलोरी होती हैं।

पीली शिमला मिर्च के लाभ

पीली शिमला मिर्च में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को रोकने में मदद करते हैं। इसमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो विटामिन-ए में बदल जाते हैं और आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं।

शिमला मिर्च का सेवन त्वचा को नमी देने में भी मदद कर सकता है और त्वचा को स्वस्थ रख सकता है। इसमें आयरन भी होता है, जो खून में हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर कर सकता है। तीनों शिमला मिर्च में कैलोरी कम होती है और ये फाइबर का अच्छा स्त्रोत हैं। इसके अलावा तीनों में विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। हरी और पीली शिमला मिर्च में तांबा और मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है। लाल शिमला मिर्च में अधिक मात्रा में बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना.... यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

पूर्व सीएम स्टालिन ने दावों पर उठाए सवाल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है।

राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है?

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है। वर्ष 2025 के अंत तक, राज्य पर करीब 9.56 लाख करोड़ रुपये की उधारी का अनुमान है। यह पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लिया गया कर्ज है। हालांकि, तमिलनाडु देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जिसकी विकास दर 2011 के जीडीपी वर्ष आधार पर 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 11.2 प्रतिशत हो गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य इस कर्ज को संभालने और चुकाने की मजबूत क्षमता रखता है।

इसके बाद विशेषज्ञों के अनुसार, मुख्यमंत्री थलापति की सरकार की वास्तविक चिंता कर्ज की मात्रा से अधिक, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे अनिवार्य खर्चों का बढ़ता बोझ है। एक रिपोर्ट में प्रकाशित पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का लगभग 62 प्रतिशत इन्हीं अनिवार्य खर्चों में जाने का अनुमान है, जिससे विकास कार्यों पर खर्च के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

लेकिन विडंबना यह है कि थलापति ने स्वयं चुनावी घोषणापत्र में हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे कई कल्याणकारी वादे किए हैं, जो उनके सरकारी खर्चे को और भी बढ़ाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु पहले ही सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं पर 72,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की योजना बना चुका है, जो सड़क और बुनियादी ढांचे जैसी विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित राशि से भी अधिक है। अनुमान है कि विजय के सभी चुनावी वादों को पूरा करने से राज्य पर वार्षिक कल्याणकारी खर्च लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

वहीं तमिलनाडु का खजाना भले ही पूरी तरह से खाली न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर वित्तीय दबाव में है। मुख्यमंत्री थलापति को न केवल पूर्ववर्ती सरकार द्वारा छोड़ी गई विरासत का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि अपने स्वयं के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए भी एक ठोस वित्तीय रणनीति बनानी होगी, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बिठा सके।

शुभेंदु के पीए की हत्या : बक्सर से विशाल श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

यूपीआई भुगतान से खुला हत्यारों का राज

बक्सर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की सनसनीखेज हत्या के मामले में जांच तेज करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के बक्सर में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी निवासी कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है और उसे पूछताछ के लिए कोलकाता ले गई है। विशाल के खिलाफ हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को संदेह है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या की साजिश और इसे अंजाम देने से जुड़े कई अहम राज विशाल के पास हो सकते हैं। हालांकि, बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने इस पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि पश्चिम बंगाल से आई टीम ने छापेमारी कर विशाल को हिरासत में लिया है। इस बीच, जांचकर्ताओं को हावड़ा के बल्ली टोल प्लाजा से एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग मिला है। वारदात में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार हमले से कुछ देर पहले टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहाँ उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इस डिजिटल ट्रांजेक्शन ने पुलिस को संदिग्धों के मोबाइल नंबर तक पहुँचा दिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों और वाहन की स्पष्ट तस्वीरें भी कैद हुई हैं। ज्ञात हो कि चंद्रनाथ रथ की हत्या 6 मई की रात कोलकाता हवाई अड्डे के समीप मध्यमग्राम के दोहरिया लेन में उस वक्त कर दी गई थी, जब वे अपनी एसयूवी से लौट रहे थे। हमलावरों ने सिल्वर रंग की कार से उनका रास्ता रोका और फिर दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आए शूटर्स ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। जांच में पता चला है कि इस हत्याकांड में ऑस्ट्रिया निर्मित अत्याधुनिक ग्लॉक 47 एक्स पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, जिसने राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। सीआईडी और एसटीएफ की संयुक्त एसआईटी इस कोण से भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई विदेशी नेटवर्क शामिल है, जिसने बांग्लादेश के रास्ते हथियारों की आपूर्ति की हो। विशाल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी इस केस की गुत्थी सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

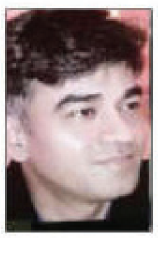

चंबा में गहरी खाई में गिरी कार, 6 लोगों की मौत, 4 गंभीर

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार तड़के सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तुनुहट्टी क्षेत्र के काकीरा घार के पास रात करीब तीन बजे हुआ, जब धर्मशाला से डलहौजी की ओर जा रही एक टैक्सी इनोवा अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जानकारी के मुताबिक वाहन में कुल दस लोग सवार थे। इनमें अधिकांश पर्यटक गुजरात के बताए जा रहे हैं। हादसे के समय क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी, जिसके चलते सड़क पर फिसलन थी। आशंका जताई जा रही है कि खराब मौसम और फिसलन हादसे का कारण हो सकती है। लोगों ने हादसे की आवाज सुनकर तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे और अंधेरे व बारिश के बीच राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद घायलों और शवों को खाई से बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन मंडी नंबर की टैक्सी इनोवा थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एसपी ने कहा कि विजय कुमार सकलानी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी मानहानि मामले में बहस टली, अब 21 मई को सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान बहस नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई, जहां परिवादी पक्ष की ओर से वॉयस सैंपल की मांग खारिज किए जाने के आदेश को सेशन कोर्ट में चुनौती देने हेतु समय मांगा गया। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर रिवीजन दाखिल करने के लिए अवसर देने की मांग की। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि अदालत ने परिवादी को एक अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई एवं बहस के लिए 21 मई की तारीख नियत की है। मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में आयोजित एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा नेता विजय मिश्र द्वारा इस संबंध में सुलतानपुर की अदालत में मानहानि वाद दायर किया गया था। उल्लेखनीय है कि मामले में राहुल गांधी पूर्व में अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं तथा उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब अदालत में 21 मई को आगे की सुनवाई होगी।

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया 'संकट' : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव ख़त्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है-'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं। हमारी बात गलत लग रही हो तो 'लखनऊ से लेकर गोरखपुर' तक पता कर लीजिए या 'अहमदाबाद से लेकर गुवाहाटी' तक। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वैसे सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आईं है? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे? भाजपाइयों ने चुनाव में वीडियो कॉन्फ्रेंस से ही प्रचार क्यों नहीं किया? सारी पाबंदियां जनता के लिए ही हैं क्या? उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करते हुए कहा कि ये अपील भाजपा सरकार की अपनी असफलता की स्वीकारोक्ति है। दरअसल वोट मिलते ही भाजपा का खोट सामने आ गया।

धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में तीन शिक्षक निलंबित

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएमश्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों में निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद, कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने और लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। इन आरोप में लिप्त होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद 7 मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए 8 मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य मोहम्मद अंज़ार अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज़ दोनों विद्यालय परिसर में अनुपस्थित पाए गए।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

-अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद हों

-पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर, कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ईंधन का संयमित उपयोग किया जाए, साथ ही अगले एक साल तक सोने की खरीद न की जाए। पीएम मोदी की इस अपील पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता। चतुर्वेदी ने कहा कि नागरिक पहले से ही इस सरकार के चुनावी नीतियों पर केंद्रित शासन और पुरस्कार बटोरने वाली विदेश नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसके साथ

शिवसेना नेता अपने एक्स से देश वासियों को कुछ सुझाव भी शेयर किए, जिनमें मंत्री और नेताओं के लंबे काफिले पर पाबंदी लगाना, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद करना, बड़े शपथ ग्रहण समारोह पर पाबंदी हो, सिर्फ उब्ल्यूएचएफ यानी वॉच फ्रॉम होम करना शामिल है।

बता दें पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल में कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। पीएम मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी। पीएम मोदी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50 फीसदी तक कम करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की।

कहीं आंधी-बारिश और ओलावृष्टि तो कहीं हीटवेव की चेतावनी

उत्तर भारत में फिर करवट ले रहा मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दोपहर के समय बढ़ती तपिश के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आज से 14 मई के बीच उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में बारिश, कड़कती बिजली और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का नया दौर शुरू होगा। पश्चिमी विक्षोभ और अन्य भौगोलिक कारणों से होने वाले इस बदलाव से जहां कुछ राज्यों को गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं कई हिस्सों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से 14 मई के दौरान व्यापक स्तर पर बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने का अनुमान है। विशेष रूप से सोमवार और मंगलवार को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में, और 12 व 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई और उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई के बीच बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

एक तरफ जहां उत्तर भारत में बारिश की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर 15 मई तक पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भीषण हीटवेव (लू) चलने की आशंका है। दक्षिण भारत की बात करें तो अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। 11 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की भी संभावना है, जिसका असर तटीय क्षेत्रों के मौसम पर पड़ेगा। पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी राज्यों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 मई तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु : फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था। राहुल गांधी ने पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता करार दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताकर अपनी आलोचना तेज की और दावा किया कि देश का शासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है।

इस बीच, दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में फडणवीस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले युग के लिए महाराष्ट्र की तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण पर महाराष्ट्र के विशेष ध्यान पर जोर दिया।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे।

तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन 31 सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 294 सीटों में से 207 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था और राज्य में पहली बार सरकार बनाई। इस जीत को भाजपा ने एक ऐतिहासिक सफलता माना था। हालांकि, अब टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी हार के पीछे एसआईआर प्रक्रिया को एक बड़ा कारण बताते हुए कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com